उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-10 अंक -22

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 30 जून 2025

मोहर्रम व जगन्नाथ रथ यात्रा को शांतिपूर्ण संपन्न कराये जाने हेतु की गई पीस कमेटी की मीटिंग 7

खाद्य विभाग टीम ने गोविन्द नगर स्थित मुन्ना समोसा में मारा छापा 8

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़, तीन श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

पुरी। ओडिशा के पुरी में रविवार तड़के भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह भगदड़ उस समय मची जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को पारंपरिक पहंडी यात्रा के अंतर्गत श्रीगुंडिचा मंदिर के गर्भगृह में ले जाया जा रहा था।

हादसा तड़के करीब 4 बजे बीच हुआ, जब हजारों की संख्या में श्रद्धालु सराधाबली में एकत्र थे।

प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालु रथ की रस्सी को छूने और भगवान के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच धक्का-मुक्की और भगदड़ की स्थिति बन गई, जिससे कई लोग नीचे गिर गए और कुछ दब गए।

अधिकारियों ने बताया कि भगदड़ गुंडिचा मंदिर के सामने हुई, जहां भगवान जगन्नाथ का रथ लाया जा रहा था। मौके पर अफरातफरी मच गई। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थिति पर काबू पाने के लिए सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है।

पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ एस स्वैन ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और छह लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान बोलागढ़ की बसंती साहू और बालीपटना के प्रेमकांत मोहंती और प्रवती दास के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

बता दें, पुरी में रथ यात्रा शुरू होने के एक दिन बाद शनिवार को भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ अपने गंतव्य गुंडिचा मंदिर पहुंचे। गुंडिचा मंदिर को देवताओं की 'मौसी' का घर माना जाता है जो हर साल जगन्नाथ मंदिर से निकलकर अपनी 'मौसी' के घर जाते हैं।

प्रॉपर्टी डीलर की बीच सड़क तलवार से काटकर हत्या, मचा हड़कंप

लुधियाना से एक सनसनीखेज हत्या की खबर सामने आई है। शहर में देर रात एक 65 साल के व्यक्ति कुलदीप मुंडियान की तलवारों से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त वह अपने फार्म हाउस से घर लौट रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, हमलावर स्विफ्ट कार में सवार होकर आए थे। जब कुलदीप अपनी गाड़ी में सवार होकर घर की ओर जा रहे थे, तभी आरोपियों ने पहले उनकी कार को टक्कर मारी। कार रुकते ही हमलावरों ने उन पर तलवारों से हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कुलदीप की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक कुलदीप मुंडियान प्रॉपर्टी का कारोबार करते थे और इलाके में एक सम्मानित व्यवसायी के तौर पर जाने जाते थे। उनके परिवार में इस घटना के बाद शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या और साजिश के एंगल से जांच शुरू कर दी है। मौके से ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रॉपर्टी विवाद या आपसी रंजिश हत्या की वजह हो सकती है, हालांकि फिलहाल कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इस हत्या के बाद स्थानीय निवासियों में डर का माहौल है। लोगों ने पुलिस से मांग की है कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और सख्त सजा दी जाए। कुलदीप मुंडियान की निर्मम हत्या ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस की जांच जारी है और शहरवासी जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि आरोपी जल्द गिरफ्त में होंगे।

सोलन में भारी बारिश, भूस्खलन से शिमला-कालका रेल मार्ग बाधित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शनिवार रात हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाओं और पेड़ गिरने के चलते शिमला-कालका रेल मार्ग पर ट्रेन सेवाएं रविवार को बाधित हो गईं। इतना ही नहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के चलते यातायात कई घंटों तक अवरुद्ध रहा। वहीं, सोलन के बरोटीवाला औद्योगिक क्षेत्र में एक पुल बह गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह ने बताया कि शिमला-चंडीगढ़ को जोड़ने वाले शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटी के पास भूस्खलन होने के कारण सड़क के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे दो से तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हालांकि, चक्कीमोड़ के पास दोनों ओर से यातायात बहाल कर दिया गया है। जंगेशु मार्ग पर भी मलबा गिरने से वैकल्पिक रास्ता बंद है, जिसे साफ किया जा रहा है। शिमला-कालका यूनेस्को विश्व धरोहर रेल मार्ग पर कोटी क्षेत्र के पास पटरियों पर चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारी मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। सुबह आने वाली पहली ट्रेन कोटी स्टेशन पर फंसी हुई है। अन्य ट्रेनें गुम्मान और कालका स्टेशनों पर रोकी गई हैं। सोलन के बड़ोटीवाला औद्योगिक क्षेत्र में ट्रक यूनियन के पास स्थित हमुड़ा कॉम्प्लेक्स को जोड़ने वाले मार्ग पर एक पुल बह गया है, जिससे मंधाला और बग्गूवाला की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात रुक गया है। बद्दी क्षेत्र की बालद नदी उफान पर है और झड़माजरी के पास रौद्र रूप में बह रही है, जिससे आसपास के इलाकों में नुकसान की आशंका बढ़ गई है। झड़माजरी की शिवालिक नगर कॉलोनी में करीब 20 घरों में चार फुट तक पानी भर गया है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी है। यहां हर साल बारिश में जलभराव की समस्या सामने आती है। इस बीच, मंडी की जुनी खड्ड और व्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे न जाने और सतर्क रहने की अपील की है। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि ब्यास नदी में लगभग 44,000 क्यूसेक पानी बह रहा है। गाद स्तर 4,000 पीपीएम तक पहुंच गया है, जिसके चलते बग्गी सुरंग बंद कर दी गई है। देहर पावर हाउस में बिजली उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

प्रदेश में मानसून की हुई धमाकेदार वापसी, लखनऊ में शाम पांच बजे छाया अंधेरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की चाल कुछ दिनों तक मद्धिम रहने के बाद, रविवार से इसकी जोरदार वापसी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में मानसूनी ट्रफ लाइन खिसक कर मध्य यूपी की तरफ आ गया है। इसके असर से 30 जून से 1 जुलाई के बीच पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना है। बारिश से दिन के पारे में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी और गर्मी से तात्कालिक तौर पर राहत मिलेगी। रविवार से सोमवार के दौरान सहारनपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, शामली समेत सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं सोमवार को लगभग 35 जिलों में भारी बारिश और 65 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। रविवार को देवरिया, बागपत, संभल आदि को छोड़कर बाकी पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम फुहारें देखने को मिली। फर्रुखाबाद में सर्वाधिक 90 मिमी बारिश रिकार्ड की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को दक्षिण पश्चिमी मानसून पश्चिमी यूपी के बचे हुए हिस्सों समेत पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया। साथ ही मानसून की ट्रफ लाइन यानी मुख्य धारा खिसक कर मध्य यूपी की ओर आ जाने से सोमवार को उत्तरी और मध्य यूपी में अच्छी बारिश के संकेत हैं। बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली, बिजनौर, रामपुर

यहां है भारी बारिश की संभावना

सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

सांसद चंद्रशेखर आजाद को नजरबंद करने पर भड़के भीम आर्मी के कार्यकर्ता, पुलिस के वाहनों को तोड़ा, जमकर बवाल

प्रयागराज। करछना के भडेवरा में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर किया हमला कर दिया। डायल 112 की गाड़ी में तोड़फोड़ करने के बाद उसे पलट दिया। चक्का जाम खुलवाने पहुंची पुलिस की टीम भाग निकली। डीसीपी, एसीपी समेत तमाम अफसर मौके पर पहुंच गए।

भीम आर्मी चीफ और सांसद चंद्रशेखर आजाद को सर्किट हाउस में नजरबंद किए जाने से कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। कई प्राइवेट वाहनों में भी की तोड़फोड़ की गई। ईंट-पत्थर चलाए गए।

नैनी थाने की जीप में भी तोड़फोड़ की। सर्किट हाउस में नजर बंद किए गए आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, मंडल

प्रभारी अनिल कुमार गौतम का कहना है कि चंद्रशेखर कौशाम्बी के लोहंदा गांव में पीड़ित परिवार से मिलने जाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। डीपी नगर अभिषेक भारती का कहना है कि कौशाम्बी में कानून व्यवस्था के मद्देनजर लोहदा गांव में जाने की अनुमति नहीं है, इस नाते उन्हें रोका गया तो वह सर्किट हाउस में ही बैठ गए।

तीन हजार की संख्या में मौजूद भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जमकर उत्पात मचाया।

कई थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी के पहुंचने के बाद हालात काबू में हुए। कई भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

कुल एक घंटे से अधिक समय तक उनके द्वारा पथराव किया गया। इस दौरान सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। मौके पर डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव के बाद मौके पर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा पहुंचे तब स्थिति को काबू किया गया।

आजम-अखिलेश में बढ़ती दूरियां, तजीन फात्मा बोलीं- उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं...सिर्फ अल्लाह पर भरोसा

रामपुर। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां से मुलाकात के बाद उनकी पत्नी तजीन फात्मा के बयान ने सियासी हलचल मचा दी है। इस बयान को सपा से नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। तजीन फात्मा के मुताबिक अब आजम खां का सपा नेता हालचाल भी नहीं पूछते। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह नाराजगी गहराई तो सपा को मुस्लिम वोटबैंक से जुड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

जेल में बंद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा की मुलाकात के बाद दिए गए बयान ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। पूर्व सपा सांसद तजीन ने कहा कि अब उन्हें किसी से कोई उम्मीद नहीं है, सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनके इस बयान को समाजवादी पार्टी के प्रति उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर यह नाराजगी बढ़ी तो सपा के लिए मुस्लिमों को पार्टी से जोड़े रखने की चुनौती बढ़ जाएगी। तीन दिन पहले आजम खां की पत्नी तजीन उनसे मिलने पहुंचीं। मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब उनसे सवाल किया कि अब सपा के नेता भी आजम खां का हालचाल जानने नहीं आ रहे हैं, जबकि पहले बहुत लोग आते थे।

अब सपा से क्या उम्मीद है, इस पर वह बोलीं, हमें किसी से कोई उम्मीद नहीं है। सिर्फ अल्लाह पर भरोसा है। उनका यह बयान रामपुर के सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल कहते हैं कि अखिलेश यादव ने आजम खां के बचाव में कोई काम नहीं किया।

न तो कोई आंदोलन किया और न ही कराया है। वह पार्टी के अध्यक्ष हैं, फिर भी मुसीबत में फंसे पार्टी के नेताओं का साथ नहीं देते। केवल बयानबाजी करते हैं, जबकि मुलायम सिंह यादव सड़क पर उतरकर अपने लोगों का साथ देते थे। आजम खां ने 2001 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक प्रेम प्रकाश के खिलाफ चार महीने तक आंदोलन किया था, तब प्रदेशभर के सपाइयों ने आंदोलन में हिस्सा लिया था खुद मुलायम सिंह रामपुर आए थे। आजम खां समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं। पार्टी का मुस्लिम चेहरा होने के साथ ही फायरब्रांड नेता भी हैं। वह अपनी तीखी बयानबाजी के जरिए ही सियासत में अर्श पर पहुंचे और इसी बयानबाजी के कारण मुसीबत में फंस गए। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अधिकारियों के बारे में भी जमकर बयानबाजी की।

यहां तक कह दिया कि डीएम से जूते साफ कराएंगे। इसी के चलते प्रशासन से छत्तीस का आंकड़ा हो गया और उनके खिलाफ 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो गए। उनके दोनों बेटों, पत्नी और बहन के खिलाफ भी बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज हुए। आजम खां को छह मामलों में सजा भी हो चुकी है और अक्तूबर 2022 से वह सीतापुर जेल में बंद हैं।

10 करोड़ से बने सोने के झूले पर विराजेंगे रामलला, राम मंदिर ट्रस्ट बनवा रहा दो स्वर्ण जड़ित विशेष झूला

अयोध्या। सावन के आगमन के साथ ही रामलला को झुलाने की परंपरा में इस बार सोने के झूले की भव्य झलक श्रद्धालुओं को भाव विभोर करने जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूतल पर भव्य स्वरूप में विराजमान रामलला व प्रथम तल पर सीताराम इस सावन में स्वर्ण जड़ित झूले पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। मुंबई के कारीगर पांच-पांच किलो सोने के दो झूले तैयार कर रहे हैं। एक झूले की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन झूलों पर हीरे, माणिक और पन्ना जड़े जा रहे हैं।

रामनगरी में सदियों से झूलनोत्सव की परंपरा प्रवाहमान है। सावन शुक्ल तृतीया 29 जुलाई से सावन पूर्णिमा नौ अगस्त तक रामनगरी के हजारों मंदिरों में झूलनोत्सव की धूम होगी। लाखों श्रद्धालु अयोध्या में झूलनोत्सव का दर्शन करने उमड़ेंगे। झूलन उत्सव की परंपरा को इस बार और भव्य रूप में साकार किया जा रहा है। रामलला व सीताराम के भव्य झूला निर्मित कराया जा रहा है। पहली बार राम मंदिर के झूला उत्सव का दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा।

एक झूले पर रामलला की उत्सव मूर्ति व दूसरे झूले पर सीताराम की उत्सव मूर्ति सावन मेले में विराजित की जाएगी। रामलला का झूला 26 जुलाई से पहले बनकर अयोध्या आ जाएगा।

इसी दिन से यहां झूला उत्सव शुरू होगा। रामलला व सीताराम 29 जुलाई को सोने के झूले पर विराजमान होंगे। सावन मेले की प्रत्येक संध्या, मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन की सरगम के साथ झूला झूलते रामलला के दर्शन होंगे।

संपादकीय

बेटियां संवेदनशील

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज् दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं।

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कूटनीतिक सबक

बदलते वैश्विक परिदृश्य में संभव है कि भारत वह फिर से सभी शक्तियों के साथ अपने संबंधों का विस्तार करे, चारों तरफ की, और एक वक्त जिस बहुपक्षीय-संबंध नीति को कभी सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था और दशकों तक अमल किया, पुन= वापस लौट आए निश्चित रूप से, उस विचार को बढ़ावा देने के पीछे सोच यह होती है कि अनेक शक्तियों के समूहों के बीच बिना फायदे के रहने की बजाय, क्यों न एक बड़ी ताकत – मसलन अमेरिका – के साथ जुड़कर, उसके जोर का लाभ लिया जाए। लेकिन,इसमें कोई शक नहीं, गठबंधनों के साथ समस्या भी होती है, किसी एक खेमे का अनुयायी बनकर रह जाने का खतरा। दूसरी ओर, जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था ='एकला चलो', इसपर अमल करें, परंतु 21वीं सदी में इस मंत्र का कोई अर्थ नहीं रहा। भारत का आदर्श हो – मित्र बनाना व लोगों को प्रभावित करना– जैसा कि मैरी पॉपिंस ने एक बार कहा था: 'हवा का रुख अपने पक्ष में करने की कोशिश करना और बदल देना'।

बीते सप्ताह वैश्विक घटनाओं में तेजी से परिवर्तन आये। इनमें इस्राइल- ईरान संघर्ष तेज होने के अलावा कई अप्रत्याशित मोड़ थे। ट्रंप का जी-7 की बैठक छोड़ वापस लौटना व व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों को दिखाया गया लाड़। दरअसल, ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। इन बदलावों में भारत के लिए कूटनीतिक सबक निहित हैं।

विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे – सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला- पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे।

यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिज़ाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं=सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नज़र मछली की आंख पर बनाए रखें। साल 2019 में जोर-शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं।घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता – तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना।हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए।दूसरा,जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों – सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक – को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़-प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है।अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान।तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है। निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की ज़रूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज़्यादा महत्वपूर्ण लग रही है, जिनका मानना था कि ट्रंप-मोदी सदा पक्के दोस्त रहेंगे।यहां मुद्दा यह है कि ट्रंप को लगता है कि वे असीम मुनीर और मोदी, दोनों के, बढ़िया दोस्त हो सकते हैं – वास्तव में, न केवल ट्रंप बल्कि तमाम बड़ी शक्तियों के पास एक ही समय में ऐसे देशों और नेताओं से बरतने की क्षमता होती है। बड़ी ताकतों के व्यावहारिक तौर-तरीकों का यह एक ज़रूरी अवयव है।यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शायद इस बात से हैरान है कि 10 मई को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम पर तथाकथित अमेरिकी 'मध्यस्थता' को लेकर भारत के अंदर इतना बवाल क्यों मचा हुआ है, खासकर तब जब सभी जानते हैं कि अमेरिकी राजनयिक लड़ाई बंद करवाने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी दोनों से अलग-अलग बात कर रहे थे।

असल में हुआ यह है=10 मई को भारतीय वायुसेना द्वारा 11 पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर बमबारी के बाद जब अमेरिकियों ने दिल्ली में अपने समकक्षों को फोन करके पाकिस्तान की तबाही और ज्यादा बंद करने को कहा, तो उनसे कहा गया कि वे पाकिस्तानी पक्ष को बता दें कि वे खुद भारतीयों से संपर्क करके इसके लिए अनुरोध करें। उस दिन , बाद में पाकिस्तानी डीजीएमओ ने ठीक यही किया।

बीते सप्ताह वैश्विक मिजाज़ में आया तीसरा बदलाव रहा , ईरान पर इस्राइली बमबारी के खिलाफ ब्यानबाजी का जोर पकड़ना। इस्राइल को दिये ट्रंप के समर्थन पर भी किंतु-परंतु होता रहा। रूस और चीन पहले ही इस्राइल के खिलाफ सामने आ चुके हैं। अरब के लोगों में गहरी चिंता पसरी रही। लगता रहा कि मध्य पूर्व में टकराव रोकने को दुनिया एकजुट हो रही है।इस स्थिति में, संयुक्त राष्ट्र और चीन के नेतृत्व वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में इस्राइल के विरुद्ध रखे गए प्रस्तावों पर भारत के अनुपस्थित रहने पर चिंताजनक सवाल बने हुए हैं। इसका उत्तर, निश्चित रूप से, प्रधानमंत्री मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्यक्तिगत प्रगाढ़ संबंध हैं। इस्राइली प्रधानमंत्री ने मोदी को फोन किया और निस्संदेह उनका समर्थन मांगा होगा।

इंसान खुद लिख रहा है विनाश पटकथा

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध राष्ट्रों के लिए वैश्विक तनाव एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है—अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन, हथियारों के व्यापार को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वर्चस्व बनाए रखने के लिए। दशकों पुरानी शत्रुता के साथ शांति और अहिंसा की बातें केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित हैं। वास्तविकता यह है कि कहीं न कहीं युद्ध का बहाना ढूंढ़कर उसे भड़का दिया जाता है।

इन शक्तिशाली देशों ने अपने ऐतिहासिक विकास की कीमत पर दो गंभीर समस्याएं—पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक ऊष्मीकरण—तीसरी दुनिया के कंधों पर डाल दी हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद वे इन समस्याओं से निपटने के लिए न तो पर्याप्त आर्थिक संसाधन साझा करने को तैयार हैं, और न ही कोई वास्तविक उत्तरदायित्व लेने को।इसके विपरीत, वे भारत जैसे उभरते देशों को नेतृत्व का दायित्व सौंपते हैं, शायद इसलिए कि ये देश संसाधनों के अभाव में हमेशा उनकी मदद के मोहताज बने रहें और वैश्विक राजनीति में उनकी शर्तों पर खेलते रहें।

आज दुनिया को जिन वास्तविक युद्धों की आवश्यकता है—भुखमरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए—वो युद्ध कभी लड़े ही नहीं गए। इसके बजाय, शंतिप्रिय देशों पर आधुनिक हथियारों की वर्षा कर के, राष्ट्रों के भूगोल को युद्धभूमि बना दिया गया। आज जब रूस-यूक्रेन युद्ध एक तीन 'पुरानी त्रासदी' बन चुका है और चीन-ताइवान का टकराव स्थायी तनाव का चित्र बन गया है, तब दुनिया का ध्यान इस्राइल और ईरान के बीच उभरे नए संकट पर केंद्रित है। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय अशांति का प्रतीक है, बल्कि इसके पीछे छिपी वैश्विक राजनीति की कई परतें भी उजागर करता है। निस्संदहे, इस्राइल को अपने पड़ोसी देशों और आतंकी संगठनों से लंबे समय से खतरे का सामना रहा है। लेकिन इस्राइल को पश्चिमी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका का भरपूर समर्थन प्राप्त है—ऐसा समर्थन जो सिर्फ सैन्य या कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक नियंत्रण के इरादे से संचालित होता है। ईरान जब परमाणु शक्ति की ओर अग्रसर होता है, तो उसे परमाणु अप्रसार संधि का वास्ता देकर रोका जाता है, जबकि जिन देशों के पास पहले से परमाणु हथियार हैं, वे न केवल इस संधि से बाहर हैं, बल्कि अपनी परमाणु क्षमताएं और सैन्य दबदबा लगातार बढ़ा रहे हैं।हाल ही में इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान के लगभग सैन्य व परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ा हमला किया, जिसमें कई वरिष्ठ कमांडर, सेना प्रमुख और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान दिया कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने दिया जाएगा, क्योंकि वह 'हमारे अस्तित्व के लिए खतरा' है। ईरान ने इसका कड़ा जवाब देने की चेतावनी दी है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे 'सिर्फ शुरुआत' करार देते हुए ईरान को परमाणु हथियार का सपना ?भूलने की धमकी दी है।

अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह वास्तव में इस्राइल और ईरान का युद्ध है? या फिर यह उन वैश्विक शक्तियों की रणनीति का हिस्सा है जो नहीं चाहतीं कि मुस्लिम दुनिया कभी संगठित या परमाणु रूप से सशक्त हो? क्या यह संघर्ष वाकई आत्मरक्षा का है, या फिर शक्ति-राजनीति की एक सोची-समझी स्क्रिप्ट, जिसमें इस्राइल केवल एक मोहरा है और असली नियंत्रण अमेरिका जैसे देशों के हाथ में है? चाहे युद्ध कहीं भी हो और कोई भी पक्ष लड़ रहा हो, हार अंततः मानवता की होती है। इसका सबसे बड़ा नुक़सान नई पीढ़ी को भुगतना पड़ता है, जिसकी किताबों में ज्ञान की जगह हथियारों की समझ भर दी जाती है। जिन मानवीय सहायता समूहों और संस्थानों के पुनर्निर्माण का वादा वैश्विक शक्तियों ने किया था, उन्हें फंडिंग मिलनी बंद हो जाती है, और वे समाज के सबसे पिछड़े वर्गों को और गहरे अंधकार में छोड़ देते हैं।

इस समय दुनिया हिंसा और उत्पीड़न के एक गंभीर दौर से गुजर रही है। हाल की संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि जबरन विस्थापित लोगों की संख्या 12.2 करोड़ को पार कर चुकी है—यह संख्या पिछले वर्ष से 20 लाख अधिक और पिछले दशक की तुलना में दोगुनी है। सीरिया से लेकर सूडान तक, अफगानिस्तान से यूक्रेन और बांग्लादेश तक—हर कोना मानवीय त्रासदी की कहानी कह रहा है। यूक्रेन, जो कभी एक समृद्ध, शिक्षित और खनिज संसाधनों से भरपूर देश था, तीन साल के युद्ध में तहस-नहस हो चुका है। वहीं अफगानिस्तान में एक करोड़, यूक्रेन में 88 लाख और म्यांमार में भी विस्थापन का संकट गहराता जा रहा है। धर्म, राजनीति या भू-राजनीतिक हितों के नाम पर लोगों को उजाड़ा जा रहा है और वे नए ठिकानों की तलाश में भटक रहे हैं।विकास की दिशा युद्ध और हथियारों की नहीं, बल्कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति की होनी चाहिए। लेकिन अफसोस, आज लड़ाई केवल ज़मीन, आकाश और समुद्र तक सीमित नहीं रही—अब अंतरिक्ष में भी युद्ध की तैयारी हो रही है।

मथुरा में दर्दनाक हादसा...पति-पत्नी के सिर के ऊपर से गुजरा पहिया, हेलमेट चकनाचूर; तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

मथुरा । मथुरा में हाईवे थाना क्षेत्र स्थित पुराने एआरटीओ कार्यालय कट पर रविवार की सुबह बाइक सवार दंपती को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

दुर्घटना में दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह 9.30 बजे पुराने एआरटीओ कट पर दुर्घटना की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र सिंह को पुलिस बल के साथ मौके पर भेजा। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार महिला-पुरुष के शव को सड़क से एक ओर किया और परिजन को सूचना दी। मृतकों की शिनाख्त महावन थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर निवासी हरिचंद (52) तथा ममता (50) के रूप में हुई।मौके पर पहुंचे परिजन सुनील चंद ने बताया कि उनके भाई सुबह बाइक से भाभी ममता को लेकर गोवर्धन चौराहा दवा दिलाने के लिए निकले थे। उनकी भाभी को थायराइड के साथ घुटनों में परेशानी थी।इसको लेकर गोवर्धन चौराहा स्थित एक चिकित्सक से इलाज चल रहा था। हरिचंद राया में दूध के चिलर प्लांट में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्य करते थे। रविवार को पत्नी को दवा दिलाने के लिए ले जाना था इसलिए प्लांट से छुट्टी ले ली थी।बताया कि उनके भाई हरिचंद का बड़ा बेटा मोहित होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद मथुरा में प्राइवेट जॉब करता है। जबकि छोटा बेटा रोहित और बेटी एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि बाइक सवार दंपती को टक्कर मारने के बाद चालक वाहन को भगा कर ले गया। दंपती को किस वाहन ने टक्कर मारी है इसकी जानकारी के लिए हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अभी परिजन ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मुद्दा : राजनीति में हर जगह चरस बोते नेता, अब जातियों को आपस में लड़वाएंगे

लोकतंत्र का खेल पहले वोट पर चलता था और अब जाति पर चलता है। बात ताज़ा राजनीति पर तो 2027 से पहले भाजपा के सॉलिड वोट को चट करने की विपक्ष ने तमाम रणनीति बनाई। जैसे करनी सेना बनाम ब्राह्मण -यादव किया, राजपूत वोट को हिट किया। काफ़ी सफलता भी मिली, पर दिक्क़त ये कि 2027 में ये नहीं चलेगा। योगी आदित्यनाथ का चेहरा सामने होगा तो राजपूत वोट खुद ब खुद एकजुट हो पड़ेगा। सो जो ठाकुर साब लोग जय समाजवाद किये थे वो जल्द ही पार्टी के पत्र द्वारा दुत्कार दिए गए। अब नेता जी नें जाल डाला दलित वोट पर और पीडीए कह कर उन्हें लुभाने के लिए सवर्ण समाज की बलि दी गई। ख़ास कर जाटव पर मेहरबान हुए और उन्हें फ़साने को जाल फेंका गया। अब वहाँ भी दिक्क़त जाटव वोट अभी चार हिस्से में है, एक बड़ा हिस्सा मायावती के पास, एक हिस्सा रावण के पास एक हिस्सा भाजपा के पास सो बड़ा छोटा भाग हाथ लगेगा। अब लखनऊ की गद्दी पाना हो तो आपको एक बड़ा जातिय वोट बैंक तो और चाहिए यादव मुस्लिम के अलावा। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण बड़े लम्बे समय से सत्ता पलटने वाला वोट रहा है। ये ब्राह्मण ही थे जो सतीशचंद्र मिश्रा के बहकावे में आकर मायावती की बहुमत की सरकार बनवायी, और मनोज पाण्डेय, पवन पाण्डेय जैसो के कुचक्र में फंस कर अखिलेश को बहुमत देने में बड़ी भूमिका निभाई थी, वर्तमान भाजपा सरकार से अब तक ब्राह्मण वोट जुड़ा हुआ है। ऐसे में अखिलेश बेचैन है, अब नेता जी को ऐसा क्या कीड़ा काटा जो यादव बनाम ब्राह्मण की राजनीति करने उतर पड़े ! जबकि पूर्वांचल में 2027 में उन्हें काफ़ी फायदा भी दे सकता था ये वोट। अच्छा यादव वोट को भी ध्रुवीकृत करने की दरकार नहीं।काहे के मुलायम को जहाँ जीवन में कभी 66-67त्न से ऊपर यादव वोट न मिला अखिलेश को 2022 और 2024 के चुनाव में 85त्न तक यादव वोट मिला है भईया इससे आगे कोई उम्मीद दिखती नहीं। तो यादव वोट बढ़ने का भी फायदा नहीं, ब्राह्मण वोट जो मिल सकता था उसे भी खुद मना करना है तो अखिलेश चाहते क्या हैं आखिर ? क्या ये मूर्खता कर डाली उन्होंने ! नहीं ! बेहद कैलकुलेटेड राजनीतिक चाल है। अखिलेश यादवों को भावनात्मक मुद्दों में उलझा रहे हैं। अभी ऐसे और भी कांड करतूत होंगे बात का बतंगड़ बनेगा और इसका फायदा क्या होगा ? इसका फायदा अखिलेश 2027 में टिकट वितरण में जातिय गणित बैठा लेंगे। लोकसभा की ही तर्ज़ पर यादवों को या तो टिकट मिलेंगे नही या बेहद कम क्यूंकि ये प्रयोग सफल रहा था। यानी यादव वोट तो सपा को दे, कंडीडेट अन्य जाति से हो जिससे कैंडिडेट का सजातीय वोट जुड़ जीत का फार्मूला बने ।120+ सीट ऐसी हैं जहाँ यादव टिकट के दावेदार होते हैं सीधे।मेरा अनुमान है अखिलेश 20 टिकट भी नहीं देने वाले। उनमें भी कुनबे वाले और रिश्तेदार होंगे ज्यादातर या गगन यादव जैसे नमूने। इटावा में जो कुछ भी हुआ उसका शुरू से लेकर अब तक कोई समर्थन नहीं करता मै किन्तु एक जाति को दूसरे जाति के खिलाफ खड़ा करने वालों को बख्शा भी नहीं जाना चाहिए।

पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

कुछ साथियों नें मेरा मत जानना चाहा इटावा कांड के बारे में तो बता दूँ चोटी काटना, सर मुंडवाना गलत है क़ानून हाथ में नहीं लेना चाहिए। चार सौ बीस लोगो को पकड़ पुलिस में रिपोर्ट करते, जो कि बाद में गिरफ्तारी भी हुई। उसके बाद अब जो हो रहा है वो भी सर्वथा गलत है क्यूंकि कुछ गुंडे नेता बनने के चक्कर में यादवों को ब्राह्मणो से लड़वाने के मंसूबे से इटावा में घुसे, पुलिस तक पर हमला किए। यह कल की घटना एक साजिश है। हजारों की संख्या में गांव पर चढ़ाई करना ये क़ानून को चुनौती है। सरासर गुंडागर्दी है। अरे संवैधानिक रूप से अपना पक्ष कोर्ट में रखें। नेता जी सनातन कि जाति तोड़ने पर हम फिर गुलाम होंगे आपके इस करतूत से। वैसे भी चन्द लोगों के दोष को आप पूरे समाज पर नहीं मढ़ सकते। मेरी दृष्टि में अब कानून को अपना काम करने देना चाहिए वेवजह मामले को तूल देना गलत है। अब भारत जैसे देश में आप काम और वादों पर वोट नहीं ले सकते ।वजह वोटर लालची तो नेता झूंठे सो साहब तरीक़ा राजनेता अपनाते हैं भावनात्मक मुद्दों को आगे कर ध्रुविकरण करने का वोटों के। सारे राजनितिक दल ये प्रयोग सत्ता के चक्कर में किये। कामयाब रहें।कम आय वाले परिवारों के बच्चे स्कूल छोड़कर आराम से मजदूरी या घरेलू काम में लग सकते हैं। सरकार को पता हैं कि यूपी में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे दलित, आदिवासी, और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से हैं। इसलिए यह सरकार स्कूलों का विलय कर उन्हें अब और सक्रिय सुविधाएं देने के मूड में है। एक खास एजेंडे के तहत निजी स्कूलों के समुदायों को व्यवसाई शिक्षा की पहुंच को सीमित कर देना चाहती हैं।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथ, जगह-जगह पुष्पवर्षा व जयकारे लगाकर किया गया स्वागत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्री जगन्नाथ सेवा समिति की ओर से मार्बल मार्केट न्यू मेडिसिन सेंटर से भगवान जगन्नाथ की 23वीं रथयात्रा निकाली गई। भगवान की आरती के साथ रथयात्रा की शुरुआत हुई। रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ, बहन शुभद्रा और भ्राता बलभद्र भक्तों को दर्शन देने निकले। जगह-जगह जयकारों और पुष्पवर्षा कर रथयात्रा का स्वागत किया गया।

रथयात्रा में शामिल मिशन सिंदूर की झांकी, रामलला, राधा-कृष्ण, विष्णु भगवान के 12 अवतार की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

महिला मंडल की सदस्य एक ही रंग के परिधान पहनकर नृत्य व भजन गाते हुए चल रही थीं। शुभ शुभ दिन आया, जय जगन्नाथ हमें रहना चरणों में जैसे भजनों पर भक्त झूमते रहे।

रथयात्रा के समापन पर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। यहां पर संयोजक अलंकार ओमर, अध्यक्ष हर्षित ओमर,

महामंत्री पंकज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आशुतोष शुक्ला, प्रचार मंत्री आयुष गुप्ता, शास्वत ओमर, रुद्राक्ष ओमर, महिला मंडल की श्वेता ओमर, अंशु, संगीता, साधना, आकांक्षा, कंचन, रचना, समता, सोनिका आदि रहीं।

कानपुर जनरलगंज स्थित श्री उमा जगदीश मंदिर की जगन्नाथ रथयात्रा शाम छह धनकुट्टी से निकली। शोभायात्रा में भगवान की विभिन्न झांकियां लोगों को आकर्षित कर रही थीं। स्वामी जगन्नाथ के भजनों पर भक्त झूमते हुए चल रहे थे।

कलक्टरगंज, शक्कर पट्टी, नयागंज, किराना बाजार, सराफा बाजार होते हुए वापस जनरलगंज स्थित मंदिर

आकर समाप्त हुई। यहां पर रथयात्रा संयोजक गोपाल कृष्ण गुप्ता, भोला नाथ गुप्ता, अरविंद, दीपक, जगदीश, अरुण कुमार, बिहारी लाल, राजू रतन कुमार, बाल कृष्ण, भरत लाल गुप्ता, पार्षद शिवम दीक्षित, अमित गुप्ता आदि रहे।

विश्वविद्यालय कर्मी ने छात्रा से किया दुष्कर्म, आरोप रिजल्ट सही कराने आई थी, होटल ले गया था कर्मचारी

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के एक कर्मचारी पर छात्रा ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। छात्रा रिजल्ट ठीक कराने आई थी, तभी कर्मचारी ने उसका शोषण किया। पीड़ित ने एसीपी कल्याणपुर से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिरहाना रोड निवासी छात्रा ने बताया ने कि मई 2024 में बीए द्वितीय वर्ष का रिजल्ट सही करने विश्वविद्यालय गई थी। वहां कार्यरत एक कर्मचारी ने रिजल्ट संशोधन के नाम पर दस हजार रुपए ले लिए।इस दौरान उसने मोबाइल नंबर भी ले लिया। आरोप है कि कुछ दिनों की बातचीत के बाद वह उन्हें कल्याणपुर बारासिरोही स्थित होटल गया। वहां उसने शारीरिक संबंध बनाए। इसका वीडियो भी बना लिया। उसी वीडियो का सहारा लेकर उसने कई बार मनमानी की। आरोप है कि न ही रिजल्ट सही कराया और न ही पैसे दिए। डर की वजह से उसने यह बात अपने घर में भी किसी को नहीं बताई। तबीयत खराब होने पर परिजनों को उसकी जानकारी हुई। तब पीड़ित ने अपनी मां के साथ आकर एसीपी कार्यालय में शिकायत की। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि पीड़िता ने तहरीर दी है। मामले की जांच कराई जा रही है।

डॉ. सुरेंद्र जैन बोले- मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण हिंदू समाज के साथ धोखा

कानपुर। मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद ने मुहिम शुरू की है। इसी कड़ी में शनिवार को महानगर पहुंचे विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि इस तरह का प्रतिबंध हिंदू समाज के साथ धोखा है। वह साकेतनगर में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी से पहले पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मंदिरों की संपत्ति व प्रबंधन पर कुठाराघात, आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर के प्रसाद या फिर बंगाल सरकार की ओर से दीघा के जगन्नाथ धाम के प्रसाद की ठेकेदारी हलाल व्यापारियों को देने की बात हो, ऐसी घटनाओं से सिद्ध होता है कि सेक्युलर सरकारें हिंदू आस्था का सम्मान नहीं कर सकतीं। इसी वजह से पांच जनवरी को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से शुरू मंदिर मुक्ति अभियान को अब जन-जन का अभियान बनाया जाएगा। हिंदू धर्मस्थलों को स्वाधीन कराकर हिंदू समाज को सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि विहिप समाज को धर्मांतरण के कलंक से मुक्ति करने का काम भी करेगा। कहा कि धर्मांतरण कारी मिशनरियों और इस्लामिक तत्वों को भी समझना होगा कि उनके षड्यंत्र अब सफल नहीं हो पाएंगे। इन मामलों में चर्च और मुस्लिम संगठनों को भी आत्म चिंतन की आवश्यकता है।

संगोष्ठी में विहिप क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र, विहिप प्रांत अध्यक्ष राजीव महाना, विहिप प्रांत कार्याध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल, गोल्डी मसाले से सुरेंद्र गुप्ता, आईआईटी प्रो. नचिकेता तिवारी, डॉ. एके अग्रवाल, विहिप प्रांत मंत्री राजू पोरवाल, प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख ओमेंद्र अवस्थी, विभाग प्रचारक बैरिस्टर, विभाग कार्याध्यक्ष पंकज शुक्ल, विभाग मंत्री गौरांग, जिलाध्यक्ष संत सिंह, अनुराग दुबे आदि रहे।

डॉ. काला बोले- समय से खून मिला तो बची रोगियों की जान, रक्तदानियों को किया गया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर शनिवार को हैलट ब्लड बैंक में रक्तदान अभियान में भूमिका निभाने वाली संस्थाओं और रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने कहा कि लोगों ने रक्तदान किया, तभी डॉक्टर बहुत से रोगियों की जान बचा पाए। उन्होंने कहा कि रक्तदान के मामले में हैलट का ब्लड बैंक प्रदेश में आगे है। मुख्य अतिथि विधायक नीलिमा कटियार रहीं।

कार्यक्रम का आयोजन मेडिकल कॉलेज के ब्लड ट्रांसफ्युजन विभाग के बैनर तले किया गया। विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. लुबना खान ने बताया कि इस वर्ष अभी तक 31 हजार यूनिट रक्त एकत्र हुआ है। उन्होंने बताया कि शनिवार को 10 कर्मचारियों ने रक्तदान किया। 80 बार रक्तदान करने के लिए अजय शंकर दीक्षित को प्रशस्ति पत्र दिया गया। हैलट के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरके सिंह, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, चिकित्साधिकारी ब्लड बैंक डॉ. मनीष यादव, डॉ. नम्रता निगम, डॉ. नीलिमा सचान, डॉ. संतोष नारायण शुक्ला, डॉ. अनुराग राजौरिया आदि मौजूद रहे।

दीनू उपाध्याय के साथियों पर 20-20 हजार का इनाम

कानपुर। बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या के आरोप में सोनभद्र जेल में बंद दीनू उपाध्याय के साथियों पर 20-20 हजार का इनाम घोषित हुआ है। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि तिलकनगर में प्लॉट के लिए असलहा लेकर धमकी देना, साजिश रचने, अपमानित व वसूली करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसमें तिलकनगर का आशीष गुप्ता, किदवईनगर का नारायण भदौरिया, केशवपुरम का गोपाल सिंह, आजादनगर का अर्जुन सिंह, मकड़ीखेड़ा का शिवम मिश्रा, बर्रा आठ का दिव्यांशु, तिलकनगर का राजकुमार गुप्ता शामिल हैं। यह यह रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे हैं। इसी तरह नवाबगंज थाने में दर्ज हुई एफआईआर में परमट के नीरज कुमार दुबे और किदवईनगर के दीपक सिंह जादौन की तलाश चल रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएमडैश बोर्ड से जुड़ी योजनाओं की हुई समीक्षा

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। यह समीक्षा 27 जून, 2025 तक पोर्टल पर दर्ज अद्यतन जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें जनसेवा और विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की गई।बैठक में माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, लोक निर्माण विभाग, एमडीएम समेत कई विभागों के कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे 30 जून तक अपने-अपने विषयों से संबंधित समस्त सूचनाओं को गुणवत्तापूर्वक पोर्टल पर फीड करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जून माह की रैंकिंग में किसी विभाग का प्रदर्शन अपेक्षा से कम पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल के विरुद्ध विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वन विभाग के डीएफओ की बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी 15 दिनों के भीतर सभी विभागों की योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान यह देखा जाए कि किन योजनाओं में कितने लाभार्थियों को लाभ मिलना चाहिए, वर्तमान में कितने आवेदन लंबित हैं और सभी पात्र लाभार्थियों के आवेदन शीघ्र स्वीकृत किए जाएं।

एक साल पहले निलंबित बाबू घूस मांगने में दोबारा निलंबित, आवंटी का आरोप- छूट के लिए मांगे डेढ़ लाख रुपये

कानपुर। विकास भारती को एक साल पहले तत्कालीन प्राधिकरण उपाध्यक्ष व डीएम रहे राकेश सिंह ने निलंबित किया था। उस पर आवंटियों की फाइलें लंबे समय से अपने पास रखे रहने का आरोप था।

कानपुर में केडीए के बाबू विकास भारती पर डेढ़ लाख रुपये घूस मांगने का आरोप आवंटी ने लगाया है। आवंटी गीता सिंह के मुताबिक विकास ने प्लॉट आवंटन की धनराशि में पांच प्रतिशत छूट दिलाने के लिए डेढ़ लाख रुपये मांगे। उन्होंने केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल से विकास की शिकायत की। शिकायती पत्र के साथ साक्ष्य के रूप में ऑडियो रिकार्डिंग भी सौंपी।

वीसी ने बाबू को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए वित्त अधिकारी को इस मामले की जांच सौंपी है। बाबू फाइलें अटकाए रखने पर एक साल पहले भी निलंबित हुआ था। केडीए में आयोजित जनता दर्शन में गीता ने केडीए उपाध्यक्ष को बताया कि उन्हें शताब्दीनगर फेज-3, बी-ब्लॉक में प्लॉट संख्या-106 आवंटित हुआ था। इसका क्षेत्रफल 112.50 वर्गमीटर है।

गीता ने आरोप लगाया कि इस योजना से संबंधित लिपिक (बाबू) विकास भारती 90 दिनों के अंदर संपूर्ण धनराशि जमा करने पर पांच प्रतिशत छूट दिलाने के लिए डेढ़ लाख रुपये सुविधा शुल्क मांग रहे हैं। आवंटी ने इस संबंध में लिखित शिकायत करते हुए साक्ष्य के रूप में विकास की ऑडियो रिकार्डिंग भी उपलब्ध कराई।प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने बताया कि विक्रय जोन-2 में कार्यरत द्वितीय श्रेणी लिपिक विकास भारती को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। मामले की जांच के लिए वित्त नियंत्रक सुशील कुमार को जांच अधिकारी नामित किया गया है। फिलहाल विकास को कार्मिक विभाग से संबद्ध किया गया है।

विकास भारती को एक साल पहले तत्कालीन प्राधिकरण उपाध्यक्ष व डीएम रहे राकेश सिंह ने निलंबित किया था। उस पर आवंटियों की फाइलें लंबे समय से अपने पास रखे रहने का आरोप था। परेशान आवंटियों ने उस समय भी शिकायत की थी। बाद में उसे बहाल कर दिया गया था।

विकास केडीए कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष है। प्राधिकरण के विभिन्न विभागों, डेस्क में चिपके एसोसिएशन के पोस्टर में उसकी फोटो भी लगी है।

मोहर्रम की 2 तारीख को निकले बदर अली के अलम या हुसैन के लगे नारे

कानपुर, इस्लामिक मोहर्रम की 2 तारीख 1447 हिजरी कानपुर से बदर अली के अलम हर साल की तरह इस साल भी बड़े ही अदब और एहतराम के साथ बकरा मंडी स्थित सूफी साहब की मजार से अलम को हाजी उस्मान की अध्यक्षता में क्षेत्रीय पार्षद इशरत अली पार्षद नौशाद के नेतृत्व में निकला गया। हाजी उस्मान ने बताया कि तकरीबन 230 वर्षों से यानी कि ब्रिटिश हुकूमत से बदर अली की ताजिया अलम निकल रहे हैं ब्रिटिश हुकूमत से अब तक कई पीढियां बदल गई लेकिन बदर अली के ताजदारी अलम में कहीं से कोई कमी नहीं हुई जुलूस की भीड़ बढ़ती जा रही है अकीदत मंद लोग आज भी बड़े ही अदब और एहराम के शामिल होते हैं आगे बताया कि बदर अली के वालिद जिनका नाम इमाम था वह एक छोटी सी ताजिया मोहर्रम की 1 तारीख से लेकर 10 तारीख तक रखते थे तकरीबन 16 साल तक ताजेदारी करते रहे एक दिन अचानक क्या हुआ बदर अली बिना बताए इमाम हुसैन की दरगाह कर्बला ईराक पहुंच गए जहां पर दरगाह की दो मिनारो पर नजर गई एक मीनार के नीचे बदर अली बैठ गए उनको बशारत हुई माज़ार की मीनार की ऊंचाई के बराबर एक ताजिया बनाया और ताजेदारी शुरू हुई इसके बाद बदर अली के बाद दामाद हजरत अली बेटी मुन्नी बाजी मुन्नी बाजी के इंतकाल के बाद यह जिम्मेदारी मुन्नी बाजी के भाई हाजी उस्मान को मिली जो लगातार बदर अली के नाम पर 2 मोहर्रम को आलम निकलते हैं ब्रिटिश हुकूमत से लेकर अब तक सिलसिला चलता चला रहा है। बकरा मंडी सूफी साहब की दरगाह से चूड़ी महल छिपयाना नीली पोश रोड महल बेगमगंज नाला रोड हलीम कली चौराहा रूपम चौराहा दिखाना बाग बक्र मंडी कुली बाजार लाटूश रोड रोटी वाली गली नई सड़क बूचड़खाना दादा मियां चौराहा मीना इलेक्ट्रॉनिक कासतानान रोड से समापन हुआ।

जुलूस में हजारों की संख्या में अकीदतमन रहे मौजूद
हुसैनियों ने अलम ज़री को चूमकर मांगी दुआ

कानपुर के शहर के बीचोबीच ऐतिहासिक पटकापुर नवाब साहब हाते से अलम ज़री का निकाला गया जुलूस,,अंजुमन रिज़विया द्वारा अलम ज़री का जुलूस निकाला गया जो शिवाले से उठकर अंधी बुढ़िया का चौराहा, राम नारायण बाजार की गलियों से होता हुआ नवाब साहब के हाते में स्थित महल इमाम बारगाह में जाकर जुलूस का समापन हुआ !ये वो जुलूस है जो नवाबों के दौर से उठाया जा रहा है जब ये जुलूस निकाला जाता है तो पूरे कानपुर शहर को पता चल जाता है आज मोहर्रम की पहली तारीख हो गई वहीं जुलूस के दौरान दूर दराज से आए उलेमाओं ने शिरकत कर सोजखानी कर इमाम हुसैन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया हुसैनी वही है जो हक की

बात करे और मजलूमों की मदद करे जो दहशतगर्द होते है वो कभी हुसैनी नहीं हो सकते हज़रत इमाम हुसैन ने इंसानियत के लिए अपनी जान तक को कुर्बान कर दिया था उनकी कुर्बानी की मिसाल आज तक दी जाती है,,

इमाम हुसैन का पैगाम था कि जुल्म के खिलाफ आवाज को बुलंद करो और जालिम के सामने कभी भी सर ना झुकाओ दूसरी तरफ रिजबिया अंजुमन ने नौहा खानी कर सीना ज़नी कीजुलूस के अंत में अजादारों ने देश मे अमन चैन की दुआ कीइस मौके पर नवाब मुमताज़, इब्ने हसन ज़ैदी, राशिद अली जैदी, सदाकत हुसैन रिजवी, आमिर अब्बास ,फरहत हुसैन रिजवी, वसी हसन, अली हैदर, नवाब हुसैन, परवेज़ ज़ैदी, रियासत नवाब, डॉ ज़ुल्फ़िक़ार अली,नावेद, महताब, मुन्ना, एहसान, रिज़वान, आदि मुख्य रूप से शामिल हुए !

बिल्हौर सिटी हॉस्पिटल के संचालक संजय सिंह एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया सम्मान

बीपीएस न्यूज

बिल्हौर। चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए बिल्हौर स्थित प्रतिष्ठित बिल्हौर सिटी हॉस्पिटल के संचालक श्री संजय सिंह को %एक्सीलेंस अवार्ड% से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा एक गरिमापूर्ण समारोह में प्रदान किया गया, जिसने चिकित्सा जगत में बिल्हौर सिटी हॉस्पिटल और संजय सिंह के योगदान को रेखांकित किया।

यह सम्मान समारोह हाल ही में आयोजित किया गया था, जहाँ प्रदेशभर से चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संजय सिंह को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके कार्यों की सराहना की।

संजय सिंह के नेतृत्व में बिल्हौर सिटी हॉस्पिटल ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पताल न केवल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस है, बल्कि इसने किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराकर आम जनता का विश्वास भी जीता है। विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के मरीजों के लिए यह अस्पताल एक महत्वपूर्ण सहारा बन गया है।

इस अवसर पर संजय सिंह ने सम्मान प्राप्त करने के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें और उनकी टीम को भविष्य में और भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि बिल्हौर सिटी हॉस्पिटल का मुख्य उद्देश्य हमेशा से ही जनसेवा रहा है और वे इसी भावना के साथ आगे भी मरीजों की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का आभार व्यक्त किया और कहा कि सरकार द्वारा ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करना चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा देता है।

सपा ग्रामीण पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की बैठक पीडीए व संगठन, बूथो को मजबूत करने पर चर्चा

कानपुर, समाजवादी पार्टी ग्रामीण कार्यालय नवीन मार्केट में सपा पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ के ग्रामीण अध्यक्ष शिव सिंह पाल की अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान ग्रामीण अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश अनुसार पीडीए को लेकर जगह-जगह बैठक चौपाल एवं घर-घर जाकर पीडीए का संदेश पहुंचना है। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष शिव सिंह यादव ने किया। आगे कहां की संगठन के लोगों को एकत्र होकर एक दूसरे की समस्याओं को देखकर भागना नहीं चाहिए बल्कि एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए जब भी हमारा संगठन मजबूत होगा बूथ स्तर पर विधानसभा स्तर पर लोगों को जोड़कर मजबूती से जनता को लेकर चलना होगा जब जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का पीडीए को लेकर सम्मान बढ़ेगा। जात-पात से दूर उच्च नीच से दूर आसहाय की मदद समाजवादी पार्टी के लोग करते हैं असली समाजवाद इसी को कहते हैं। बैठक के दौरान सपा ग्रामीण पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ग्रामीण अध्यक्ष शिवसिंह पाल, महासचिव गोकुल निषाद उपाध्यक्ष शिव सिंह यादव दिलीप प्रजापति देशराज निषाद राहुल सविता रामकुमार पाल राम आश्रम श्यामलाल निषाद राहुल निषाद शिवकरण निषाद रमेश कुमार शकील विराट यादव फहद संतोष यादव महाराजगंज विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव नवल यादव कपूर सविता पंकज पाल, आदि लोग रहे।

डीएम साहब! ये रिश्वत केडीए में पहुंचवा दीजिएगा...जिलाधिकारी के पास चेक लेकर पहुंचा पीड़ित, मचा हड़कंप

कानपुर। केडीए से पीड़ित एक नागरिक 30 हजार रुपये की चेक लेकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के पास पहुंच गया और बोला कि सर, ये रिश्वत की चेक केडीए में दे दीजिए और हमारे मकान की रजिस्ट्री करा दीजिए। केडीए के विशेष कार्याधिकारी 30,000 रुपये मांग रहे हैं।

जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को जनता दर्शन के दौरान पीड़ित नीरज गुप्ता जिलाधिकारी के पास पहुंचे और उन्हें बताया कि एक कालोनी की रजिस्ट्री कराने के नाम पर केडीए के एक विशेष कार्याधिकारी 30 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं।

पीड़ित ने बताया कि सोमनाथ उपाध्याय के नाम से एल-349 डबल स्टोरी बर्रा 6 में केडीए ने मकान आवंटित किया था। सोमनाथ की 24 सितंबर 2011 को मृत्यु हो गई। फिर ये मकान सोमनाथ की पत्नी रेनू उपाध्याय, उनके तीन बेटे उपदेश, स्वतंत्र और स्वदेश के नाम हो गया। पीड़ित नीरज गुप्ता के मुताबिक 7 जून 2024 को केडीए में मकान की रजिस्ट्री कराने के नाम पर एकल विंडो प्रक्रिया के तहत आवेदन किया था।

इसके बाद उनका संपर्क जोन 3 के एक अधिकारी से हुआ जिन्हें पूरी बात बताई तो अधिकारी ने कहा कि हम पावर ऑफ अटार्नी नहीं मानते हैं इसलिए आपकी रजिस्ट्री नहीं हो सकती। नीरज गुप्ता ने केडीए के अधिकारी के नाम से रिश्वत की 30 हजार की चेक जिलाधिकारी को सौंपी।

जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। उधर केडीए के अधिकारी का कहना है कि मेरे पास नीरज गुप्ता के नाम से अभी तक कोई फाइल नहीं आई है। जो भी आरोप लगाए गए हैं, वह निराधार हैं। मेरे संज्ञान में अभी ये मामला नहीं आया है।

ऑपरेशन सिंदूर कप का आयोजन: सांसद-सेना के मैच से ग्रीनपार्क में मना देशभक्ति का जश्न, जीतने वाली टीम को मिलेगी ब्रह्मोस मिसाइल की ट्रॉफी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेना के साहस और शौर्य को समर्पित ऑपरेशन सिंदूर कप की ट्रॉफी का अनावरण शनिवार को ग्रीनपार्क में हुआ। ट्रॉफी में ब्रह्मोस मिसाइल का मॉडल लगाया गया है। इसके साथ ही दोनों ही टीमों के संभावित खिलाड़ियों की भी घोषणा कर दी गई। ग्रीनपार्क में रविवार को सेना और सांसद एकादश के बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। इस आयोजन में प्रदेश के कई बड़े नेता शामिल होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शामिल होंगे।

सांसद रमेश अवस्थी, पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार, ब्रिगेडियर सबरुल हसन ने शनिवार को ग्रीनपार्क में प्रेसवार्ता में बताया कि सेना एकादश में प्रदेश के कई बड़े अधिकारी रहेंगे। इसके अलावा सांसद एकादश में सांसदों के अलावा मंत्रियों व पूर्व विधायकों को भी शामिल किया गया है। सांसद ने बताया कि 29 जून को ग्रीनपार्क स्टेडियम में दर्शकों की एंट्री दोपहर 3 बजे से शुरू होगी। उद्घाटन समारोह शाम 4 बजे से शुरू होगा। समारोह की शुरुआत मशहूर गायिका स्वाति मिश्रा के गीत राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी से होगी। मैच में 8 सांसद और सेना के साथ 6 आईएएस और आईपीएस भी मैच खेलेंगे।

सांसद ने बताया कि कवयित्री कविता तिवारी और कवि गौरव चौहान अपनी ओजस्वी देशभक्ति कविताओं से दर्शकों में जोश भरेंगे। कविता तिवारी पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन भी करेंगी। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल के शामिल होने की भी संभावना है।

भारतीय सेना का मशहूर बैंड देशभक्ति से ओतप्रोत गीत-संगीत की प्रस्तुति देगा। आयोजन के दौरान समाज सेवा और उत्कृष्ट योगदान के लिए 25 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 हजार मैच पास बांटे गए हैं। मैदान को तिरंगे व भाजपा के झंडे के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर बैनर से सजाया जा रहा है।

ब्रिगेडियर शब्बरुल हसन, ब्रिगेड कमांडर, कानपुर, ब्रिगेडियर नवाब खान, डिप्टी जीओसी, प्रयागराज, कर्नल सुनील नांदल, कमांडिंग ऑफिसर, 8वीं बटालियन द राजपूताना राइफल्स, कानपुर, नवनीत सहगल, अध्यक्ष, प्रसार भारती, अखिल कुमार, पुलिस आयुक्त, कानपुर, अभिषेक कुमार, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, छावनी बोर्ड, कानपुर, सुधीर कुमार, नगर आयुक्त, कानपुर, आशुतोष कुमार, मुख्य परिवहन प्रबंधक, कानपुर, कासिम अबीदी, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (अपराध), कानपुर, राजेश के. सिंह, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर), कानपुर, गौरांग राठी, जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव, मनीष निगम, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (अपराध), कानपुर, सैमुअल पॉल, प्रबंध निदेशक, केस्को

मनोज तिवारी, सांसद, उत्तर पूर्वी दिल्ली, रमेश अवस्थी, सांसद, कानपुर, विजय दुबे, सांसद, कुशीनगर, देवेश शाक्य, सांसद, एटा, डॉ. प्रशांत वाई. पडोले, सांसद, भंडारा गोंदिया, मनोज राजोरिया, पूर्व सांसद, करौली-धौलपुर, सुब्रत पाठक, पूर्व सांसद, कन्नौज, सोमेंद्र तोमर, राज्य मंत्री, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, यूपी, दानिश अंसारी, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ, पीएन पाठक, विधायक, कुशीनगर, अभिजीत सिंह सांगा, विधायक, बिठूर, कानपुर, पुनीत शर्मा, एमसीडी, अध्यक्ष, निशिकांत दुबे, सांसद, गोड्डा, झारखंड

व्यापारी के घर आठ लाख की चोरी, दिनदहाड़े उड़ाए जेवर, पड़ोसियों पर जताया शक

कानपुर। अनवरगंज में व्यापारी के घर का ताला तोड़कर चोर दिनदहाड़े नगदी व जेवर समेत करीब आठ लाख का माल पार कर ले गए। चोरी का पता चलते ही व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी। पड़ोसी पर संदेह जताया है। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल कर रिपोर्ट दर्ज की है। अनवरगंज के बांसमंडी निवासी वकास अपने छोटे भाई नसीब के साथ रहते हैं। वकास ने पुलिस को दी सूचना के अनुसार 23 जून को वह घर में ताला लगाकर दोनों भाई दुकान गए थे। दोपहर करीब तीन बजे के बाद जब लौटे तो मकान के मेन गेट का ताला टूटा था। मकान के अंदर पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर सन्न रह गए। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉकर टूटा था। चोर अलमारी से 70 हजार रुपये और सोने व चांदी के जेवर समेत करीब आठ लाख का माल ले गए हैं। पुलिस पूछताछ में वकास ने पड़ोसी पर संदेह जताया है। अनवरगंज पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़ा जाएगा। फिलहाल शुरूआती जांच में मामला संदिग्ध लग रहा है।

सीमेंट गोदाम में अनलोडिंग के दौरान ट्रक की चपेट में आया चालक, मौत

कानपुर। पनकी में सीमेंट गोदाम में माल उतारते समय ट्रक की चपेट में आकर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी कर्मी उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताकर पनकी में जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पनकी पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर घरवालों को किसी तरह शांत कराया।

अलीगढ़ के इगलास कस्बा निवासी 57 वर्षीय श्याम सुंदर ट्रक चालक थे। 24 जून की रात वह अलीगढ़ से सीमेंट लादकर कानपुर आए थे। परिवार में पत्नी शशि, दो बेटी ममतेश, दुर्गेश और बेटा अजीत हैं।

उनके दामाद सुमित चौधरी ने बताया कि मंगलवार को वह सीमेंट लादकर निकले थे। देर रात वह पनकी पहुंचे और सीमेंट गोदाम में ट्रक से माल उतार रहे थे, तभी ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

उनकी हालत गंभीर देखकर गोदाम के कर्मचारियों ने उन्हें समीप के अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। यहां से हादसे की सूचना परिजनों को दी गई। घरवाले पनकी स्थित गोदाम पहुंचे और घटना संदिग्ध बताकर जमकर हंगामा किया। सूचना पाकर पहुंची पनकी पुलिस ने परिजनों व गोदाम कर्मचारियों से घटना की जानकारी दी। घरवालों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। पनकी पुलिस के अनुसार मामले में पूछताछ की जा रही है। परिजनों अगर तहरीर देते हैं तो कार्रवाई होगी।

महाराजपुर में ओवरटेक करते समय पिकअप ने सामने से आए बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी थी। नर्सिंगहोम में उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल छात्र की मौत हो गई। वहीं घायल साथी का इलाज चल रहा है।

साढ़ के धूहरपुर बांग्ला निवासी शिवबाबू यादव खेती-किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी संतोष, बेटा प्रियांश व 17 वर्षीय आयुष यादव था। उन्होंने बताया कि आयुष कक्षा 9 का छात्र था और खेती में भी हाथ बंटाता था। बीती 23 मई को आयुष अपने दोस्त सुमित के साथ बाइक से कही जा रहा था ।वह महाराजपुर के बौसर गांव के पास ही पहुंचा था, तभी सामने से आए तेज रफ्तार पिकअप ने ओवरटेक करने के चक्कर में उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे में दोनों दोस्तों को गंभीर चोटें आई थी। सूचना पर परिजनों ने आयुष को नौबस्ता स्थित नर्सिंगहोम में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

हमसफर एक्सप्रेस में शार्ट सर्किट से धुआं भरा

कानपुर। भाऊपुर के पास वीआईपी ट्रेन हमसफर एक्सप्रेस में एसी कोच में तारों में शार्ट सर्किट से एसी कोच में धुआं भर गया। फायर अलार्म बजने लगा जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर इंजीनियरों ने मरम्मत की, तब ट्रेन को आगे रवाना किया गया ।दिल्ली से कटिहार जा रही गाड़ी संख्या 15706 हमसफर एक्सप्रेस मंगलवार की शाम 4.45 बजे कटिहार के लिए रवाना हुई थी। इस गाड़ी के एसी कोच बी-8 के एसी पैनल में एक चूहा घुस गया। देर रात जब ये ट्रेन भाऊपुर क्रास कर रही थी, तभी एसी कोच के पैनल में मौजूद चूहे ने ऐसी उछल कूद की कि पैनल में शार्ट सर्किट हो गया और पूरे एसी कोच में धुआं भर गया। धुआं भरने से फायर अलार्म भी बजने लगा। इससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

सपा का काम ही उसे समाप्तवादी पार्टी बनाएगा केशव प्रसाद मौर्य

बीपीएस न्यूज

कानपुर भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और संविधान लोकतंत्र का रक्षक। संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता की आधारशिला है, लेकिन 25 जून 1975 से 31 मार्च 1977 तक देश में सत्ताधारी नेताओं द्वारा इन सभी मूल्यों का गला घोटा गया। संवैधानिक शब्दावली में इस कालखंड को आपातकाल कहा गया। आपातकाल में इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका, जो लोकतंत्र की रक्षा की अंतिम संस्था है, उसको भी झुकने पर मजबूर कर दिया था। आज सपा के मुखिया अखिलेश यादव कांग्रेस की गोद में बैठे हैं, सपा अब पहले जैसी समाजवादी पार्टी नहीं है। यह बातें सीएसजेएमयू में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहीं।

सीएसजेएमयू के बीटेक हाल में शुक्रवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहे। मौर्य ने कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानियों ने कभी पराधीनता स्वीकार नहीं की, लेकिन कांग्रेस ने सत्ता बचाने के लिए संविधान का दुरुपयोग किया। वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अदालत ने अवैध ठहराया था, उनपर छह साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

इस पर कांग्रेस ने पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया। नागरिक अधिकारों को रौंदा और विपक्ष के नेताओं को जेल भेजा गया। यह आपातकाल एक परिवार के सत्ता मोह का परिणाम था। यदि गांधी परिवार देश की राजनीति पर वर्चस्व स्थापित करने में सफल नहीं हुआ होता तो आज भारत दुनिया का नंबर एक देश बन चुका होता। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए न केवल संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को स्थगित करके भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर भी कुठाराघात किया था।

मॉक पार्लियामेंट चार सत्र में शुरू हुआ, प्रथम सत्र में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने युवाओं का मार्गदर्शन किया, द्वितीय सत्र में महापौर प्रमिला पांडे व बिल्हौर के विधायक राहुल सोनकर बच्चा ने आपातकाल में हुई घटना की जानकारी दी। तीसरे सत्र में सांसद रमेश अवस्थी व एमएलसी सलिल विश्नोई ने आपातकाल में कानपुर व देश में पड़े प्रभाव से अवगत कराया। चतुर्थ सत्र में मंत्री असीम अरुण ने युवाओं को सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी सचिन शुक्ला, खेमराज शर्मा, शिखा मिश्रा, सौरभ पटेल, उज्जवल सिंह, अंकित अग्रवाल, सुभाष यादव, शैलेंद्र शर्मा, शिवांग मिश्रा, अंकित गुप्ता, रविंद्र सिंह चौहान, मधुराज विश्वकर्मा, मयंक बुंदेला, ऋषभ शुक्ला, पवन पांडे व विनीत सिंह राठौड़ आदि रहे।

केशव प्रसाद ने कहा कि असली समाजवादी वह लोग थे, जिन्होंने कांग्रेस से संघर्ष किया था। अखिलेश यादव तो राहुल गांधी की गोद में बैठ गए हैं। इटावा की घटना को अखिलेश यादव ब्राह्मण बनाम यादव की लड़ाई के रूप में फैलाना चाहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, लेकिन जिस तरह से भागवत कथावाचकों को अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यालय बुलाकर यादवों के रूप में उनका सम्मान किया। यह ठीक नहीं है। इटावा की घटना में अखिलेश यादव और सपा नेताओं का रवैया दूध में नींबू डालने जैसा है। समाज को जातिवादी जहर से बांटने की कोशिश करना और लोगों को भड़काना सामाजिक अपराध है। सपा जो काम राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है, वही उसे समाप्तवादी पार्टी बनाएगा।

कानपुर : जांच में दोषी पाए जाने पर चकबंदी लेखपाल कमलाकांत मौर्य निलंबित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नर्वल तहसील में गत शनिवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चकबंदी लेखपाल कमलाकांत मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, मोहम्मद असलम ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता राकेश प्रजापति द्वारा आरोप लगाया गया कि दो भूखण्डों की पैमाइश के एवज में चकबंदी लेखपाल द्वारा 90 हजार की अवैध धनराशि ली गई। एक भूखण्ड की पैमाइश की जा चुकी थी, जबकि दूसरे के लिए 20 हजार की अतिरिक्त मांग की जा रही थी। इसी प्रकार, एक अन्य शिकायतकर्ता मनीष सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि वरासत दर्ज कराने हेतु उक्त लेखपाल द्वारा 20 हजार की मांग की गई।

प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए, जिलाधिकारी द्वारा बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को सम्यक जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि जोत चकबंदी अधिनियम के अंतर्गत अधिसूचित ग्रामों में धारा-24 से पूर्व किसी भूमि की नाप व कब्जा परिवर्तन का कोई प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद चकबंदी लेखपाल द्वारा मनमाने ढंग से भूमि की नाप कर अवैध रूप से कब्जा दिलाया गया। इसके अतिरिक्त, एक निर्विवाद वरासत प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित रखा गया।

जांच में दोषी पाए जाने पर चकबंदी लेखपाल कमलाकांत मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। भ्रष्ट आचरण में लिप्त एवं न्यायसंगत मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने वाले कार्मिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कन्वेंशन सेंटर का नाम पूर्व सांसद श्याम बिहारी मिश्रा के नाम पर रखने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चुन्नीगंज में स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत बन रहे कन्वेंशन सेंटर का नाम पूर्व सांसद/व्यापारी हृदय सम्राट ब्रह्मलीन श्याम बिहारी मिश्रा के नाम से किए जाने हेतु स्वर्गीय श्याम बिहारी स्मृति समिति के पदाधिकारियों ने सोमवार 23 जून को जिलाधिकारी कानपुर से मिलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित एक पत्र प्रेषित किया, जिलाधिकारी महोदय ने बताया कि यह पूरा प्रकरण मेरे स्वयं संज्ञान में है, आपका पत्र माननीय मुख्यमंत्री जी तक मैं प्रेषित करूंगा, वही समिति के पदाधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र दीक्षित जी ने जिलाधिकारी से कहा कि 15 वे वित्त आयोग के अंतर्गत बन रहे चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर के नाम को लेकर कानपुर नगर निगम में संज्ञान में आया है कि दो बार प्रस्ताव आए कृपया इस विषय की भी जांच कराई जाए!

ज्ञापन देने वालों में रामदेव शुक्ल, सुनील बजाज, शैलेंद्र दीक्षित, कृपा शंकर त्रिवेदी,सुरेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, राजू त्रिवेदी, अशफाक ब्रदर्स आदि रहे।

मज़दूर सभा ने भरी हुंकार 2027 में बनेगी पीडीए सरकार: ओमकार यादव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्रीय कार्यालय नवीन मार्केट में ओमकार यादव जिलाध्यक्ष मजदूर सभा कानपुर ग्रामीण ने बाबा साहब के मान पर चर्चा हर घर पहुचे पीडीए पर्चा कार्यक्रम में मजदूर सभा की मासिक बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का नियुक्ति पत्र देकर स्वागत कर 2027 में पीडीए सरकार बनाने का संकल्प दिलाया ,जिसमे मुख्य रूप से प्रदेश पदाधिकारी शेषनाथ यादव, राजेंद्र पाल विधानसभा अध्यक्ष संतोष यादव महाराजपुर, उमेश तिवारी महासचिव,जिलाउपाध्यक्ष किशन लाल गौतम, वीरेंद्र पटेल ,वीरेंद्र यादव, सुनील शर्मा,योगेंद्र यादव, रक्षपाल नेता, शैलेश सिंह महामंत्री सुधीर राजपूत ,जिला सचिव काशिफ खान, अकमल सिद्दीकी अध्यक्ष वार्ड 63, मोहम्मद कैफ महासचिव महाराजपुर,फरहान खान, आसिफ खान, संजय कुशवाह विधानसभा अध्यक्ष कल्याणपुर, नवाब कुशवाहा, रोहित एवम अन्य छोटे बड़े भाई लोग मौजूद रहे।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक कराना हो सकता है घातक, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर कराएं उपचार :एडीएम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मानसून के आगमन के साथ ही सर्पदंश की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इस संबंध में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विवेक चतुर्वेदी ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या देरी करने के बजाय तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर चिकित्सकीय उपचार प्राप्त करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

चतुर्वेदी ने बताया कि सर्पदंश के कारण यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो शासन द्वारा राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) के अंतर्गत मृतक के आश्रितों को 4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सहायता प्राप्त करने के लिए घटना की सूचना तत्काल ग्राम प्रधान, राजस्वकर्मी या संबंधित तहसील कार्यालय को देना अनिवार्य है। प्राप्त सूचना के आधार पर राजस्व विभाग की टीम घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच आख्या तैयार करती है, जिसे अनुमोदन के उपरांत सहायता की संस्तुति हेतु प्रेषित किया जाता है। स्वीकृति मिलने पर सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से मृतक के नामित आश्रित के आधार से लिंकड बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। इस प्रक्रिया के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र, राजस्व जांच रिपोर्ट, आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण एवं पारिवारिक विवरण जैसे दस्तावेजों की पूर्ति आवश्यक होती है एडीएम वित्त एवं राजस्व ने बताया कि जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सर्पदंश के उपचार हेतु एंटी-स्नेक वेनम दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। चिकित्सकों को निर्देशित किया गया है कि सर्पदंश के किसी भी मामले में तत्परता के साथ चिकित्सा उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन जनहित में यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रत्येक पीड़ित को समय पर उचित उपचार एवं पात्र सहायता उपलब्ध हो।

जल में डूबने से हुई मृत्यु पर भी 4 लाख रुपये की सहायता का प्रावधानबरसात के मौसम में नदियों, नहरों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों में डूबने की घटनाएं भी सामने आती हैं। यदि कोई व्यक्ति दुर्घटनावश डूबकर मृत्यु को प्राप्त करता है, तो शासन द्वारा एसडीआरएफ के तहत मृतक के आश्रितों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके लिए राजस्व जांच रिपोर्ट, मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट (यदि उपलब्ध हो), पारिवारिक विवरण एवं बैंक खाता संबंधित दस्तावेजों के आधार पर सहायता अनुमोदित की जाती है।

आपातकाल:एक काला अध्याय विषयक प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद रमेश अवस्थी ने किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सांसद रमेश कुमार अवस्थी ने कलेक्ट्रेट परिसर, कानपुर नगर में आयोजित विशेष प्रदर्शनी 卐आपातकाल-एक काला अध्याय卐 का विधिवत उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी 1975 में लगे आपातकाल की घटनाओं, प्रभावों और उससे मिली सीख को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद द्वारा की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, पत्रकारगण, बुद्धिजीवी वर्ग आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद रमेश कुमार अवस्थी ने कहा 25 जून 1975 को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक ऐसा दिन था, जब संविधान और नागरिक अधिकारों पर आघात हुआ था। यह प्रदर्शनी हमें उस दौर की सच्चाइयों से अवगत कराती है और यह संदेश देती है कि लोकतंत्र की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय है प्रदर्शनी में आपातकाल की घोषणा की परिस्थितियाँ, मौलिक अधिकारों का निलंबन, प्रेस सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी, नसबंदी अभियान, अर्थव्यवस्था और जीडीपी पर प्रभाव, न्यायपालिका व मीडिया पर नियंत्रण, लोकतंत्र की पुन: स्थापना और जनता का संघर्ष आदि विषयों पर चित्र, दस्तावेज़ एवं जानकारी प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी में यह भी दर्शाया गया कि किस प्रकार 1977 के आम चुनाव में जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए ऐतिहासिक मतदान किया और इंदिरा गांधी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग किया और आपातकाल के दौरान हुए नागरिक अधिकारों के दमन को याद किया।सांसद ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इतिहास से सीख लें और अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनें। इस अवसर पर सीडीओ दीक्षा जैन, एडीएम सिटी राजेश कुमार सहित विभिन्न अधिकारी एवं नागरिक मौजूद थे।

कानपुर प्रेस क्लब में हुई जांच में 60 फीसदी से अधिक पत्रकारों में पाई गई हाई ब्लडप्रेशर और शुगर की समस्या

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब की ओर पत्रकार स्व.अजय अग्निहोत्री की स्मृति में बुधवार को मेदांता अस्पताल के सहयोग से पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सौ से अधिक पत्रकारों के स्वास्थ की जांच की गई और सुझाव दिए गए।

प्रेस क्लब कार्यालय में शिविर के दौरान ब्लडप्रेशर, शुगर, दिल और हड्डियों की जांचे आधुनिक मशीनों के जरिये की गई। 60 फीसदी से अधिक पत्रकारों में हाई ब्लडप्रेशर और शुगर की समस्या पाई गई। कई में हड्डियों में कमज़ोरी की भी शिकायत मिली। मेदांता अस्पताल, लखनऊ के विशेषज्ञ डॉ. गौरव चौहान ने बताया कि तनाव, अनियमित खानपान, अनियमित दिनचर्या और बेहद भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते शुगर और ब्लडप्रेशर की समस्या बढ़ती जा रही है। स्वास्थ दुरुस्त रखने के लिए इन सबके बीच संतुलन बनाना बेहद ज़रूरी है।

नियमित चेकअप ज़रूर करवाएं, तनाव से बचें और कोशिश करें कि घर में बना भोजन ही करें। योग, ध्यान और हल्की कसरत से बहुत लाभ होगा। थोड़ा पैदल चलना बहुत लाभकारी है। प्रतिरोधक क्षमता कम होने से थकान, आलस आता है और रोग जल्दी पकड़ लेता है। डॉक्टर से सुझाव के बाद ही कोई दवा लें और इलाज करें। इस दौरान मेदांता अस्पताल के डॉ. अनिल चौधरी, तेजस्वी दीक्षित, ऋषभ पांडे, शेषमनी वर्मा, पुनीत कुमार, सुशील और उनकी टीम मौजूद रही। प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस वाजपेई ने मेदांता अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और स्टॉफ का आभार जताते हुए कहा कि आगे भी पत्रकारों के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर महामंत्री शैलेश अवस्थी, उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, मंत्री शिवराज साहू, मोहित दुबे, कोषाध्यक्ष सुनील साहू, दीपक सिंह, उत्सव शुक्ला, मयंक मिश्रा, रोहित निगम, गगन, वरिष्ठ पत्रकार आलोक पांडे, अमित सिंह अभिषेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बेटे ने कबूला, मां की डांट पर आपा खो दिया था, चुनरी से मां का गला कसकर बेड में था डाला

कानपुर। रावतपुर गुप्ता कालोनी में उर्मिला की हत्या उनके बेटे ने चुनरी से गला कसकर की थी। शरीर पर खरोंच व चोट के भी कई निशान मिले हैं। बेटे ने कबूल किया कि गुस्से में चुनरी से मां का गला कसकर बेड में पैक कर दिया था। बुधवार को भी पुलिस ने उससे पूछताछ की।

गुप्ता कालोनी निवासी 35 वर्षीय उर्मिला कटियार पति जगदीश की मौत के बाद बरेली के रंजन के साथ लिव इन में रह रही थीं। उर्मिला के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा इंटर और छोटा नौवीं का छात्र है। मंगलवार दोपहर स्कूल से लौटने पर छोटे बेटे ने मां को बेड में पैक देखा था। इसके बाद मसवानपुर निवासी मौसी गीता व रावतपुर पुलिस को सूचना दी। उर्मिला की सांसें चल रही थीं, इस पर पुलिस उन्हें रीजेंसी ले गई, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। छोटे बेटे के आरोप पर पुलिस ने बड़े बेटे को हिरासत में लिया और शव को पोस्टमार्टम भेजा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उर्मिला की गला कसकर हत्या की गई है। उसके शरीर पर घसीटने व कई खरोंच के निशान भी हैं। पुलिस के अनुसार बड़े बेटे ने कबूल किया है कि मां के डांटने के कारण गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया। मां का उनकी चुनरी से गला कस दिया। हालांकि उर्मिला के भाई नंद किशोर, ब्रज किशोर, बहन गीता इस पर बात पर हैरान दिखे कि बेटा कैसे हत्या कर सकता है। परिजनों ने बताया कि उर्मिला का शरीर बहुत भारी था। मान लें कि उसने गला कस दिया होगा, लेकिन उठाकर बेड में कैसे पैक किया। 18 साल का रिश्ता, फिर भी नहीं आया रंजन बरेली का रहने वाला रंजन 18 साल से उर्मिला संग लिव इन में रह रहा था। उसके बाद भी उसे आखिरी बार देखने भी नहीं आया। बहन गीता के अनुसार एक दिन पहले ही वह उर्मिला से मिलने आया था। उसे घटना की जानकारी भी होगी। पोस्टमार्टम हाउस पर उर्मिला का छोटा बेटा मां को पुकारते हुए आंसू बहाता रहा। शव देखकर लिपट गया। वहीं भाई और बहनों में चीख पुकार मची रही।

76 से अधिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा,फैमिली आईडी एक फायदे अनेक, जरूर बनवाये: सीडीओ

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'एक परिवार, एक पहचान' योजना के तहत सभी परिवारों को एक यूनिक 12-अंकों वाली पहचान संख्या (फैमिली आईडी) प्रदान किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।यह योजना उन परिवारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। फैमिली आईडी बनने से ऐसे परिवारों को राज्य सरकार की 76 से अधिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की राह सरल हो जाएगी। इन योजनाओं में रोजगार, पेंशन, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, और अन्य सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं।

कानपुर नगर में अब तक 40067 से अधिक परिवारों ने इस योजना के अंतर्गत आवेदन कर दिया है। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में प्रत्येक परिवार का एक समेकित डेटाबेस तैयार करना है, जिससे जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जा सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि परिवारों के ऐसे सदस्य जो रोजगार से वंचित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएं। परिवार पहचान संख्या प्राप्त करने के लिए, जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है, पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है, हालांकि यदि कोई नागरिक सार्वजनिक सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से आवेदन करता है तो 30 रुपये का नाममात्र शुल्क देय होगा। आवेदन के लिए आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर आवश्यक है, क्योंकि सत्यापन ओटीपी के माध्यम से किया जाएगा। परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर एवं विवरण भरकर उन्हें फैमिली आईडी से जोड़ा जा सकता है। यदि किसी सदस्य का मोबाइल ओटीपी नहीं आ पा रहा है, तो बाद में उसका विवरण संशोधित करने की सुविधा भी दी गई है।राज्य सरकार द्वारा एक मोबाइल एप्लिकेशन भी लॉन्च किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक आवेदन की स्थिति जान सकते हैं और योजना से जुड़ी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने आमजन से अनुरोध किया है कि जो भी परिवार अब तक इस योजना से वंचित हैं, वे शीघ्रता से अपना आवेदन पूर्ण करें ताकि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। यह योजना उत्तर प्रदेश के समग्र विकास और पारदर्शी शासन प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिर मुंडवाया, महिला के पैरों पर रगड़वाई नाक, जाति पूछकर गांव से खदेड़ा, कथावाचक की पिटाई कांड

इटावा, पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के दंदरपुर गांव में ऊंची जाति के लोगों के एक समूह ने एक धार्मिक उपदेशक और उसके सहयोगी का सिर मुंडवा दिया, क्योंकि उन्हें पता चला कि वे यादव जाति से हैं। सिर मुंडवाने की यह घटना रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि को हुई और आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। मुंडन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित 'कथा वाचक' थे और गांव में 'भगवद कथा' के लिए गए थे। आइये जानते है कि पूरा मामला क्या है?

उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के दांदरपुर गांव में कथित तौर पर ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने यादव जाति के एक कथा वाचक और उसके सहयोगी का सिर मुंडवा दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार देर रात बताया कि घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया जिसपर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तीन दिनों में कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो 'पीडीए के मान-सम्मान की रक्षा' के लिए एक बड़े आंदोलन का आह्वान किया जाएगा।यह घटना रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि को हुई। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने पत्रकारों को बताया कि जिस व्यक्ति का सिर मुंडवाया गया था, उसकी शिकायत के आधार पर इटावा जिले के बकेवर थाने में मामला दर्ज किया गया है।उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अपर पुलिस अधीक्षक को घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसएसपी ने बताया कि उक्त घटना के संबंध में दूसरे पक्ष का कहना है कि कथावाचकों ने उनसे जाति छिपाई।पत्रकारों से बातचीत में पीड़ित कथा वाचक ने कहा, ''मैं पहले एक निजी स्कूल संचालित करता था लेकिन सरकार ने स्कूल बंद करवा दिया, इसलिए मैं भागवत कथा करने लगा और कथा वाचक मुकुट मणि का सहायक बन गया।'' उसने कहा, ''हमें 21 जून से दांदरपुर गांव में भागवत कथा के लिए बुलाया गया था। हमसे हमारी जाति पूछी गई। इसके बाद मुझे पूरी रात प्रताड़ित किया गया और मेरे बाल मुंडवा दिए गए।'' घटना को लेकर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ितों के साथ एसएसपी से मिला और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की।

सीबीएसई ने किया बड़ा बदलाव,साल में दो बार होगी 10वीं बोर्ड परीक्षा

सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 2026 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके तहत छात्र एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य उच्च दांव पहलू को कम करना, परीक्षा के दबाव को कम करना और छात्रों को पूरे साल इंतजार किए बिना अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका देना है। नई योजना के तहत, प्रत्येक छात्र को फरवरी के मध्य में होने वाली पहली परीक्षा में शामिल होना होगा, जबकि अपने अंकों में सुधार करने या तीन विषयों में कम अंक पाने वाले छात्र मई में होने वाली दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमश: अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा।''

तय मानदंडों के अनुसार, शीतकाल में बंद रहने वाले स्कूलों के दसवीं कक्षा के छात्रों को किसी भी चरण में उपस्थित होने का विकल्प मिलेगा। इसके अनुसार, शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी और हितधारकों की प्रतिक्रिया मांगी गई थी। नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश के मुताबिक, बोर्ड परीक्षाओं की ''उच्च अपेक्षा'' वाले पहलू को खत्म करने के लिए सभी छात्रों को किसी भी शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारों के मारे जाने तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए:ओवैसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारे मारे नहीं जाते।

ओवैसी ने कहा, अगर भारतीय सशस्त्र बल चाहते तो पाकिस्तान के सभी नौ एयरबेस को पूरी तरह तबाह कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ रनवे को निशाना बनाया। यह उनके लिए एक संदेश था कि यह तो बस ट्रेलर था और उन्हें सावधान रहना चाहिए। हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और दुश्मन को मैसेज मिल गया। यही वजह है कि उनके हमारे फोन कर सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई। नेता, जो सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे इस्लामी देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, ने कहा- पाकिस्तान हमेशा झूठ फैलाता है। उसकी सेना 'ड्रामेबाज़ी' करती है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने अपने प्रधानमंत्री को चीनी सेना की कई साल पुरानी ड्रिल की फर्जी तस्वीर दिखाकर बेवकूफ बनाने की कोशिश की। उनके प्रधानमंत्री ने टैंक पर खड़े होकर कैमरे के लिए पोज़ दिया, लेकिन इस संघर्ष में टैंकों का इस्तेमाल हुआ ही नहीं। सिर्फ पुंछ में, उन्होंने नागरिक इलाकों पर गोले बरसाए, जिसमें एक मस्जिद के इमाम और जुड़वां बहनों सहित कई नागरिक मारे गए। पाकिस्तान कभी भी भारत के साथ जंग नहीं जीत सकता। भविष्य में भी नहीं, इंशा अल्लाह।

ओवैसी ने कहा- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री (शहबाज़ शरीफ) ने खुद कहा कि वह स्विमिंग ट्रंक पहनकर तैर रहे थे जब उन्हें खबर मिली कि भारत ने उनके नौ हवाई अड्डों पर हमला किया है। एक विदेशी पत्रकार ने मुझसे पूछा कि यह कैसे हुआ। मैंने मज़ाक में कहा कि हमने नमाज़-ए-फ़ज्र से पहले 'अल्लाहु अकबर' का नारा लगाया और हमला कर दिया।ओवैसी ने कहा, पाकिस्तान एक नाकाम मुल्क है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। उसकी सेना और डीप स्टेट भारत के लिए खतरा बने रहेंगे। पाकिस्तान की सेना दुनिया की इकलौती ऐसी सेना है जो रियल एस्टेट और होटलों का कारोबार करती है। पाकिस्तान की सेना का एकमात्र मकसद इस्लाम की रक्षा के नाम पर अपनी गलतियों को छिपाना है, लेकिन उसका असली मकसद सांप्रदायिक तनाव भड़काकर भारत को अस्थिर करना है।सुप्रीमो ने कहा- पाकिस्तान की तरफ से खतरा तब तक कम नहीं होगा जब तक उसकी सेना देश पर कब्जा जमाए रखेगी। वह आतंकी गुटों का समर्थन करती रहेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कामयाब न हो।

ट्रम्प के साथ आसिम मुनीर के लंच पर जब रजत शर्मा ने ओवैसी से पूछा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर क्यों बुलाया, ओवैसी ने जवाब दिया- आसिम मुनीर को पाकिस्तान के लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने ट्रम्प के साथ क्या सौदा किया है। जब ट्रम्प ने मुनीर को लंच पर बुलाया, तो उन्होंने ज़रूर उनसे (ईरान-पाक) बॉर्डर पर कुछ करने के लिए कहा होगा। उन्हें नाचने के लिए मजबूर किया जाएगा, और वे (अमेरिका) उन्हें नचाएंगे। व्हाइट हाउस में मुफ्त का लंच नहीं मिलता। यह जगज़ाहिर है कि अमेरिका की पहुंच पाकिस्तान के ज़्यादातर ठिकानों तक है, जबकि भारत में हम किसी भी दूसरे देश को अपने ठिकानों तक पहुंच नहीं देते।

ट्रम्प के युद्धविराम करवाने के दावे पर व्यापार सौदों की पेशकश कर भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने के ट्रंप के दावों के बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने कहा- सबसे पहले, मुझे नहीं लगता कि ट्रम्प को ज़्यादा जानकारी है। भारत का अमेरिका के साथ रणनीतिक रिश्ता है और ट्रम्प 'बके जा रहे हैं, बके जा रहे हैं'। हमारे प्रधानमंत्री ने उनसे आधे घंटे तक बात की, हमारे विदेश सचिव ने उनका वीडियो जारी किया। फिर भी ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने व्यापार सौदों की पेशकश कर जंग रोकी।ओवैसी ने कहा- पाकिस्तान का अमेरिका के साथ व्यापार मुश्किल से 4 बिलियन डॉलर का है, जबकि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार 180 बिलियन डॉलर का है। अगर भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार संधि पर सहमत होता है, तो लक्ष्य 500 बिलियन डॉलर का है। वे (अमेरिका) 5 बिलियन की ट्रेड चाहते हैं या 500 बिलियन की? मुझे लगता है कि पाकिस्तान के क्रिप्टो कनेक्शन की वजह से वह (ट्रम्प) बकवास कर रहे हैं। जहां तक गोलीबारी बंद करने की बात है, मेरी शिकायत यह है कि इसके बारे में हमारे प्रधानमंत्री या हमारी सरकार को ऐलान करना चाहिए था, न कि ट्रम्प से दुनिया को यह पता चलनी चाहिए थी। यह हमारी सरकार है, हमारा देश है, और हमें दूसरे देश के नेता से यह सब पता चला।

ओवैसी ने आगे कहा, अगर ट्रम्प दावा करते हैं कि उन्होंने हमारी जंग रोकी, तो वे इज़रायल के फ़िलीस्तीन पर हमले क्यों नहीं रोक रहे? अगर उनके पास इतनी ताकत है, तो ईरान-इज़रायल जंग और रूस-यूक्रेन जंग को भी खत्म करवा दें।असदुद्दीन ओवैसी के साथ 'आप की अदालत' शो आज रात 10 बजे इंडिया टीवी पर प्रसारित होगा। इसका दोबारा प्रसारण रविवार को सुबह 10 बजे और रात 10 बजे होगा।

राहुल गांधी ने संघ और भाजपा पर साधा निशाना, होसबोले के बयान पर कहा- आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया

नई दिल्ली। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से संविधान की प्रस्तावना में शामिल समाजवादीऔर पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग पर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस समेत तमाम दलों के नेताओं ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वहीं अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ और भाजपा पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।

उन्होंने आरएसएस-भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनको संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। राहुल गांधी ने आगे चेतावनी देते हुए कहा- आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

दत्तात्रेय होसबोले का बयान, जिस पर मचा बवाल

आपातकाल के 50 साल पूरे होने को लेकर भाजपा देशभर में संविधान हत्या दिवस मना रही है। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में किए गए बदलावों को निरस्त करने के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी से माफी मांगने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और पंथनिरपेक्ष शब्द आपातकाल के दौरान ही जोड़े गए थे।

जयराम रमेश-अशोक गहलोत का पलटवार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि आरएसएस ने संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। आरएसएस की यह मांग बाबा साहब आंबेडकर के न्यायपूर्ण, समावेशी और लोकतांत्रिक भारत के दृष्टिकोण को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का सुझाव संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला है। वहीं कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दत्तात्रेय होसबले के संविधान की प्रस्तावना में बदलाव संबंधी बयान को संविधान विरोधी सोच का खुला प्रमाण बताया।

दिल दहला देने वाली घटना बच्चे ने बस की खिड़की से सिर निकाल कर बोला- पापा, और सिर धड़ से हो गया अलग

उत्तर प्रदेश के हाथरस से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।11 साल के बच्चे मोहम्मद की गर्दन बस की खिड़की से झांकते वक्त सामने से आ रहे मैक्स वाहन की चपेट में आकर धड़ से अलग हो गई। यह हादसा रविवार दोपहर लगभग 12:30 बजे हाजीपुर रेलवे फाटक के पास हुआ, जहां सड़क की तंग व्यवस्था और लापरवाह ड्राइविंग एक मासूम की जान ले गई।मोहम्मद अली अपने दो चचेरे भाइयों की बरात में अलीगढ़ से हाथरस के गांव मेवली जा रहा था। वह बस में बैठा था, जब उसने खिड़की से झांकते हुए अपने पिता को सड़क पर देखा और पापा कहकर पुकारा। ठीक उसी क्षण बस और मैक्स वाहन को जबरन निकालने की कोशिश में अली की गर्दन कटकर सड़क पर गिर गई। धड़ बस के अंदर छटपटाता रह गया। पिता आस मोहम्मद और ताऊ साबुद्दीन इस भयावह दृश्य को देखते ही बदहवास हो गए। पिता ने तुरंत धड़ को उठाकर गर्दन से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

घटना के बाद पूरा माहौल मातम में बदल गया। अधिकांश बराती लौट गए और शादी सीमित रूप से छोटे वाहन से पूरी की गई। मोहम्मद अली के माता-पिता और परिजन गहरे शोक में हैं। राह चलते लोग भी यह दृश्य देखकर सन्न रह गए। SHO जेएन अस्थाना ने बताया कि दोनों वाहन बस और मैक्स को कब्जे में ले लिया गया है। हादसे के बाद दोनों वाहन चालक मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। परिजनों ने अभी तक कोई औपचारिक शिकायत (FIR) दर्ज नहीं कराई है। यह हादसा सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि ट्रैफिक प्रणाली, सड़क सुरक्षा और ड्राइवरों की गैरजिम्मेदारी की गवाही देता है। एक मासूम की जान गई, जिसे बचाया जा सकता था, यदि सावधानी और संयम बरता गया होता।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की अब खैर नही,मोदी सरकार के साथ Maharashtra, Assam की सरकार ने कस ली कमर

चीन और पाकिस्तान की गोद में बैठ चुके बांग्लादेश को भारत सरकार की ओर से लगातार झटके दिये जा रहे हैं। लेकिन वह सुधर नहीं रहा इसलिए अब बांग्लादेश को ऐसा झटका लगने वाला है जिससे वहां त्राहिमाम की स्थिति पैदा हो सकती है। यही नहीं, भारत के विभिन्न राज्यों से भी जिस तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस उनके देश में खदेड़ा जा रहा है उससे आने वाले दिनों में यह लोग बांग्लादेश के लिए बड़ी मुसीबत बनने वाले हैं।

जहां तक बांग्लादेश को मिलने वाले नये झटके की बात है तो आपको बता दें कि भारत की ओर से गंगा जल संधि की समीक्षा किये जाने की घोषणा के बाद से ढाका की हालत खराब हो गयी है। बांग्लादेश को डर है कि भारत ने जिस तरह पाकिस्तान का पानी बंद कर दिया है कहीं उसके साथ भी वैसा ही ना कर दिया जाये। हम आपको बता दें कि वर्ष 1996 में हस्ताक्षरित यह ऐतिहासिक संधि गंगा नदी के जल बंटवारे को लेकर दोनों देशों के बीच सहयोग की आधारशिला रही है। लेकिन बदलते समय, जनसंख्या वृद्धि, जलवायु परिवर्तन और नदियों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए अब यह आवश्यक हो गया है कि इस संधि की पुन: समीक्षा की जाए।

हम आपको याद दिला दें कि गंगा जल संधि भारत और बांग्लादेश के बीच 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच संपन्न हुई थी। इसका उद्देश्य फरक्का बैराज से गंगा के जल का निष्पक्ष वितरण करना था ताकि बांग्लादेश को सूखे के मौसम के दौरान भी पर्याप्त पानी मिल सके। यह संधि 30 वर्षों के लिए वैध है, अर्थात इसका कार्यकाल वर्ष 2026 में समाप्त हो रहा है। संधि में यह भी प्रावधान था कि यदि दोनों पक्ष चाहें, तो इसकी समीक्षा की जा सकती है।इस संधि की समीक्षा की आवश्यकता क्यों पड़ी, यदि इस विषय पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि हाल के वर्षों में गंगा नदी में जल प्रवाह में गिरावट देखी गई है, जिसका प्रभाव निचले गंगा क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी तक महसूस किया गया है। बांग्लादेश को सूखे के समय अपेक्षित मात्रा में जल नहीं मिल पाने की शिकायतें रही हैं। इसके अलावा, भारत और बांग्लादेश दोनों में ही जनसंख्या और कृषि क्षेत्र में वृद्धि के कारण जल की मांग कई गुना बढ़ गई है, जिससे जल बंटवारा और अधिक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। इसके साथ ही, पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्य फरक्का बैराज से जल छोड़े जाने पर आपत्ति जताते रहे हैं, क्योंकि इससे राज्य के कुछ हिस्सों में जल संकट उत्पन्न होता है। इसके अलावा, 21वीं सदी में जल को अब केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपत्ति माना जाने लगा है। इसलिए इस संधि की समीक्षा करना भारत की जल कूटनीति को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ढालने का एक प्रयास है।

हम आपको यह भी बता दें कि गंगा जल संधि भारत-बांग्लादेश संबंधों की कूटनीतिक सफलता मानी जाती है। यह संधि वर्षों से दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक रही है। लेकिन अब जबकि इसकी समीक्षा की बात हो रही है, तो इसमें पारदर्शिता, तकनीकी डेटा साझा करना और साझा जल प्रबंधन तंत्र को मजबूती देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह संधि दोनों देशों के हितों की रक्षा करती रहे। इसलिए गंगा जल संधि की समीक्षा का भारत का निर्णय एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। यह केवल दो देशों के बीच जल बंटवारे का मामला नहीं है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता भी जुड़ी हुई है।

इसके अलावा, अगर बांग्लादेशी घुसपैठियों पर विभिन्न राज्यों द्वारा कसी जा रही नकेल पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि बांग्लादेश से घुसपैठ पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत सरकार वयस्कों के लिए आधार कार्ड जारी करने के नियमों को सख्त बनाने पर विचार कर रही है। सरमा ने कहा कि आधार कार्ड जारी करने के सख्त नियमों से अवैध विदेशियों का पता लगाने और उन्हें देश से बाहर निकालने में राज्य सरकार के प्रयासों को और बढ़ावा मिलेगा। मंत्रिमंडल की एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''हमने एक प्रस्ताव पर चर्चा की, जिसके तहत वयस्कों के लिए आधार कार्ड पूरी तरह से सत्यापन के बाद ही जारी किए जाएंगे। कैबिनेट जल्द ही इस संबंध में निर्णय लेगी।'' उन्होंने कहा कि असम में करीब 100 प्रतिशत वयस्कों के पास आधार कार्ड हैं। उन्होंने कहा, ''अगर कोई वयस्क आधार कार्ड के लिए आवेदन करता है, तो हम व्यापक जांच करेंगे। नए नियमों के प्रभावी होने के बाद से केवल जिला आयुक्त के पास आधार कार्ड जारी करने का अधिकार होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई अवैध आव्रजक आधार कार्ड न हासिल करे और हम उसका आसानी से पता लगा सकते हैं तथा उसे उसके देश भेज सकते हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाद में जन्म प्रमाणपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी इसी प्रकार सख्त किया जाएगा, तथा ऐसे मामलों में जिलाधिकारी को प्रमाणपत्र जारी करने वाला प्राधिकारी नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हालांकि आधार कार्ड नागरिकता का दस्तावेज नहीं है, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है, जिसमें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना, बैंक में खाता खोलना, गैस कनेक्शन प्राप्त करना आदि शामिल है। उन्होंने कहा, ''अगर हम आधार कार्ड को ब्लॉक कर सकते हैं, तो हम अन्य दस्तावेज जारी करने पर भी रोक लगा सकते हैं। हमें विदेशियों के यहां वैध रूप से लंबे समय तक रहने और आधार कार्ड बनवाने से कोई समस्या नहीं है। हमारी समस्या अवैध विदेशियों से है।''मुख्यमंत्री ने कहा, ''घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने के हमारे निरंतर प्रयासों के तहत गुरुवार रात हमने 20 और बांग्लादेशियों को निर्वासित किया।

उधर, महाराष्ट्र सरकार की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण सर्कुलर जारी करते हुए यह स्पष्ट किया है कि अगर कोई प्रतिष्ठान अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को नौकरी देता है, तो उसके मालिकों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। यह आदेश राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी किया गया, जिसमें कहा गया है कि ज़रूरत पड़ी तो कानून में संशोधन करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि दस्तावेजों की सत्यता जांचने के लिए जल्द ही एक ऑनलाइन प्रणाली लागू की जाएगी। हम आपको बता दें कि पुलिस जांच में यह पाया गया है कि बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिये बिल्डरों, छोटे-बड़े उद्योगों, व्यापारियों और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में काम कर रहे हैं, क्योंकि वे कम मजदूरी पर काम करने को तैयार रहते हैं। सर्कुलर में चेताया गया, ''ऐसे प्रतिष्ठान यह नहीं समझते कि उनकी यह लापरवाही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऐसे घुसपैठियों को सरकारी कागजात दिलाने में मदद करता है, तो उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। गृह विभाग के सर्कुलर में कहा गया है कि कोई भी बांग्लादेशी घुसपैठिया राज्य की किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ न उठाए और न ही किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में उसे रोजगार दिया जाए। सभी विभागों को आदेश दिया गया है कि वे निर्माण कार्य, चालक, प्लंबर, वेटर, वेल्डर और मैकेनिक जैसे रोजगार क्षेत्रों में ऐसे घुसपैठियों की नियुक्ति न होने दें।

जहां तक भारत सरकार की ओर से बांग्लादेश की नकेल कसने की बात है तो आपको बता दें कि मोदी सरकार ने सीमा के जरिए बांग्लादेशी निर्यात पर अंकुश लगाया हुआ है और इसे लगातार बढ़ाया जा रहा है। पिछले महीने भारत ने द्विपक्षीय व्यापार में निष्पक्षता और समानता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीमा के माध्यम से बांग्लादेश से तैयार वस्त्रों और कई अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के निर्यात पर नियंत्रण लगाने का निर्णय लिया था। अब भारत ने बांग्लादेश से जमीन मार्ग से कुछ विशिष्ट जूट उत्पादों और बुने हुए कपड़ों के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।हालांकि, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि आयात की अनुमति केवल महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से है। इन प्रतिबंधों के अंतर्गत आने वाले उत्पादों में जूट उत्पाद, एकल सन का धागा, जूट का एकल धागा, बहु-मुड़ा हुआ, बुने हुए कपड़े या फ्लेक्स और जूट के बिना ब्लीच किए बुने हुए कपड़े शामिल हैं। इससे पहले, नौ अप्रैल को भारत ने नेपाल और भूटान को छोड़कर पश्चिम एशिया, यूरोप और अन्य देशों को विभिन्न वस्तुओं के निर्यात के लिए बांग्लादेश को दी गई किसी तीसरे स्थान से होते हुए कारोबार करने की सुविधा वापस ले ली थी। इन उपायों की घोषणा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस द्वारा चीन में दिए गए विवादास्पद बयानों की पृष्ठभूमि में की गई। हम आपको बता दें कि यूनुस द्वारा अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हिंदू मंदिरों पर हमलों को रोकने में विफल रहने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों पर असर पड़ा है।

जिलाधिकारी ने किया कर्बला नवाबगंज का निरीक्षण, मोहर्रम की तैयारियों को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने आज आगामी मोहर्रम के दृष्टिगत नवाबगंज स्थित बड़ी कर्बला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्बला में आने वाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से मेडिकल कैंप, केस्को तथा नगर निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में कैंप लगाने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। साथ ही, उन्होंने अतिरिक्त एम्बुलेंस, मोबाइल टॉयलेट तथा शुद्ध पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नगर, अपर नगर आयुक्त तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी नहीं मानते शासन व राजस्व परिषद का आदेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश संग्रह सीजनल अमीन कर्मचारी सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार कि सचिव राजस्व राम केवल के साथ एक घण्टे चली लम्बी वार्ता के बाद शासन ने जिलों से विनियमितिकरण के लिए शेष बचे सीजनल अमीनों व अनुसेवकों की सूची नाम सहित मंगाकर विनियमितिकरण के लिए विचार करने का निर्णय लिया है। जल्द जिलाधिकारियों को शासन पत्र जारी कर 15 दिनों में सूची भेजने का आदेश जारी करेगा।

राजस्व संग्रह सीजनल अमीन कर्मचारी सेवक वेलफेयर उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार को राजस्व सचिव राम केवल को अचानक वार्ता के लिए बुलाया और सीजनल अमीनों व अनुसेवकों के विनियमितिकरण में आ रही समस्या जानने का प्रयास किया।प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शासन को बराबर विनियमितिकरण के लिए पत्र भेज रहे थे। वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2361 सीजनल अमीन व 2547 सीजनल संग्रह अनुसेवक उत्तर प्रदेश में विनियमितिकरण के लिए शेष है। पांच हजार से ज्यादा अमीनों के व चार हजार से ज्यादा अनुसेवकों के पद खाली हैं इसके बावजूद जनपदों में जिलाधिकारी सीजनल अमीनों व अनुसेवकों का विनियमितिकरण नहीं कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में सौ से ज्यादा सीजनल अमीन व अनुसेवक विनियमितिकरण के बगैर भगवान को प्यारे हो गए हैं। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जिलाधिकारी शासन व राजस्व परिषद के आदेश को नहीं मानते हैं। जिसका जिता जागता उदाहरण है 13 मई को राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को विनियमितिकरण का आदेश दिया था सिर्फ तीन जिलों को छोड़कर किसी जिलाधिकारी ने विनियमितिकरण की कार्यवाही नहीं की है । वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि शासन ने विनियमितिकरण के लिए सकारात्मक पहल शुरू किया है । जल्द ही इसके परिणाम आने कि सम्भावना है। जिलों से शासन में सूची आने के बाद जिलों के सीआर ए सूची में हेर फेर नहीं

खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने आम जनमानस को प्रयोगशाला एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

कानपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग ने चौबेपुर व आसपास की ग्रामीण बाजारों में खाद्य सचल प्रयोगशाला एवं नुक्कड़ नाटक की टीम के साथ आम जनमानस को खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक किया।

1.पके पकाये खाद्य पदार्थ जो कि बासी है, खुले में बिक्री हेतु प्रदर्शित हैं उनके सेवन से बचें।

2.सडे गले फलों का सेवन न करें।

3.अधिक रंग युक्त मिठाई का प्रयोग न करें।

3.पिसे मसालों को खाद्य कारोबार कर्ता बिना पैक हुए खुले में न बेचें, आमजन मानस खुले पिसे मसालों का प्रयोग न करें।

4.खादय तेल को बार-बार गर्म ठंडा न करें, फ्राई की जाने वाली खाद्य सामग्री को 3 बार से अधिक एक बार में प्रयुक्त तेल में फ्राई न करें।

5.खादय पदार्थों के हाकर विक्रेता गंदी नालियों एवं गंदे स्थान से दूरी बनाए रखें ।

खादय सचल प्रयोगशाला द्वारा मौके पर ही खाद्य पदार्थ की जांच कर लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ के बारे में जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएमडैश बोर्ड से जुड़ी योजनाओं की हुई समीक्षा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। यह समीक्षा 27 जून, 2025 तक पोर्टल पर दर्ज अद्यतन जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें जनसेवा और विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, लोक निर्माण विभाग, एमडीएम समेत कई विभागों के कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे 30 जून तक अपने-अपने विषयों से संबंधित समस्त सूचनाओं को गुणवत्तापूर्वक पोर्टल पर फीड करें।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जून माह की रैंकिंग में किसी विभाग का प्रदर्शन अपेक्षा से कम पाया गया, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने श्रम विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल के विरुद्ध विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही वन विभाग के डीएफओ की बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को

निर्देशित किया कि आगामी 15 दिनों के भीतर सभी विभागों की योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान यह देखा जाए कि किन योजनाओं में कितने लाभार्थियों को लाभ मिलना चाहिए, वर्तमान में कितने आवेदन लंबित हैं और सभी पात्र लाभार्थियों के आवेदन शीघ्र स्वीकृत किए जाएं।

भूख हड़ताल कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार को सौंपा ज्ञापन

कानपुर। कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा उ0प्र0 के आवाहन पर 12 सूत्रीय मांग पत्र पर समय 12.00 बजे से सत्याग्रह/भूख हड़ताल कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को चुन्नीगंज बस अड्डे पर ज्ञापन प्रेषित किया गया।पूरे प्रदेश के राज्य कर्मचारी, शिक्षक, निकाय, स्वास्थ एवं परिवहन विभाग के कर्मचारी अपने-अपने जनपदों से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है।जिसमें प्रमुख मांगें पुरानी पेंशन बहाली, आउटसोर्सिंग, संविदा, दैनिक वेतन, वर्कचार्ज के कार्यरत कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित/विनियमितीकरण की नीति बनाना, सरकारी संस्थानों में निजीकरण की कार्यवाही बन्द की जाय।8वें राष्ट्रीय वेतन आयोग की स्थाई कमेटी का गठन, 1 जनवरी 2020 से 31 जुलाई 2021 तक फ्रीज महंगाई-भत्तेके एरियर का भुगतान किया जाय।

परिवार नियोजन एवं सी0सी0ए0 सहित बन्द भत्ते बहाल किया जाना, प्रदेश के निकाय कर्मचारियो एवं विकास प्राधिकरण कर्मचारियों को राज्य कर्मचारियों की भांति सभी सुविधाएं प्रदान की जायं। राजकीय निगमों के कर्मचारियों को 7वें वेतन का लाभ अनुमन्य किया जाना, रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के समझौते के अनुसार मंहगाई भत्ते के देय किश्तों का भुगतान व वेतन विसंगतियों का निराकरण, मृतक आश्रित की नियुक्ति एवं विनियमितीकरण, रिक्त पदों पर भर्ती की जाय।समस्त कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा, सींचपाल, सीचपर्यवेक्षक, जिलेदार, नलकूप चालक एवं निकाय कर्मचारियों की सेवानियमावली शीघ्र प्रख्यापित की जाय तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती खोलते हुए सीधी भर्ती आदि मांगों को लेकर चुन्नीगंज बस स्टेशन पर मध्यान्ह 12 बजे से सत्याग्रह/भूख हड़ताल कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष रमाकान्त मिश्र, मण्डल संयोजक अरविन्द कुमार कुरील, परिषद के जिला मंत्री राजेन्द्र पटेल, आशीष दीक्षित, मुन्ना हजारियों, नीलू निगम, जे0 पी0 सिंह गुर्जर, सुरेद्र सिंह सेंगर, देवीदीन भाऊ, नरेन्द्र खन्ना, यूसुफ अंली, गोपाल चौधरी, राजू पवन, पंकज शुक्ला, भूपेन्द्र सिंह, अभिषेक यादव, अक्षय कुमार गोंड, राजेन्द्र पाल, देवेन्द्र प्रसाद, विजय भूषण गोंड़, दिनेश यादव, आदि लोग रहे।

मोहर्रम व जगन्नाथ रथ यात्रा को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने हेतु की गई पीस कमेटी की मीटिंग

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी की अध्यक्षता में आगामी त्यौहार मोहर्रम एवं जगन्नाथ रथ यात्रा को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने हेतु थाना जूही में पीस कमेटी की मीटिंग की गई। मीटिंग में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि साथ ही ताजिया रखने वाले,जुलूसों के आयोजकों ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी में मोहर्रम के सभी जुलूसों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के सम्बन्ध में वार्ता करते हुए जुलूस आयोजको से बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की गई।जगन्नाथ रथ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी बिंदुओं पर वार्ता की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस कर्मियों से त्योहारों में आराजकता फैलाने वाले असमाजिक तत्वों की पहचान करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने / कराने हेतु सर्व संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। मीटिंग में एसएचओ जूही व सम्बंधित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

कत्था कारोबारी के आठ प्रतिष्ठानों पर एसजीएसटी का छापा, कर चोरी स्वीकारी, 45 लाख रुपये मौके पर किए जमा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कत्था कारोबारी के कानपुर और फतेहपुर के आठ प्रतिष्ठानों पर एसजीएसटी टीम ने 27 जून को एक साथ छापा मारा। 48 घंटे चली कार्रवाई में टीम को स्टॉक खरीद व बिक्री में बड़ा अंतर मिला। साथ ही दस्तावेजों में गड़बड़ी मिली। कारोबारी ने कर चोरी स्वीकार की है। इस पर टीम ने मौके पर ही 45 लाख रुपये जमा कराए। टीम के अनुसार, दस्तावेजों की जांच के बाद आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपर आयुक्त ग्रेड-1 सैमुअल पॉल एन, अपर आयुक्त ग्रेड-2 संजय पाठक और संयुक्त आयुक्त शिविरा सिंह के निर्देशन में उपायुक्त रेंज-बी सुषमा सिंह ने टीम के साथ कत्था निर्माता फर्म के आठ प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इसमें नयागंज, ट्रांसपोर्टनगर, एक्सप्रेस रोड, कैनाल पटरी के अलावा फतेहपुर के व्यापारिक स्थलों पर टीम ने एक साथ और एक समय पर कार्रवाई की। इस दौरान फर्मों के रिकॉर्ड में स्टॉक बुक, इनवॉइस, उत्पादक रजिस्टर सहित तमाम दस्तावेज खंगाले गए।

लेखा पुस्तकों में घोषित और मौके पर मिले स्टॉक में बड़ा अंतर मिला। इस हेरफेर को देख टीम सभी दस्तावेजों का गहन अध्ययन करने के लिए साथ ले गई। साथ ही लेखा पुस्तकों के अलावा पाए गए माल को सीज करते हुए आगे की विधिक कार्यवाही के लिए भेज दिया।टीम को कई गड़बड़ियां मिली हैं।इसमें परिवहन के सापेक्ष जनरेट ई-वे बिल व संबंधित गाड़ियों की आवाजाही उचित रूप से नहीं पाई गई।

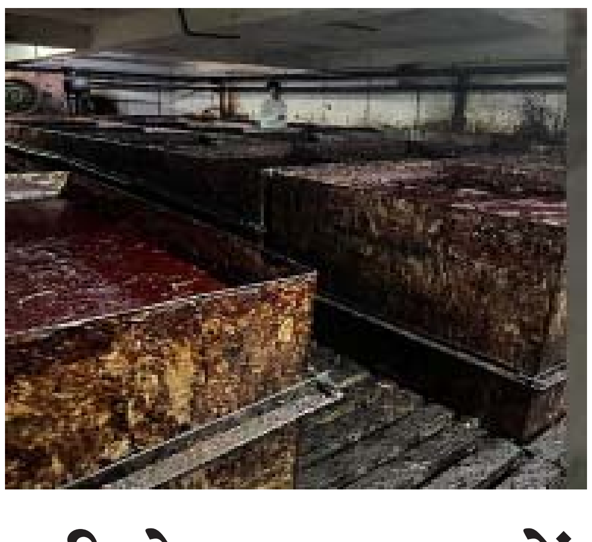

व्यापारिक समस्याओं को लेकर मंडी सचिव विजय बालियान को दिया गया ज्ञापन

कानपुर। नवीन गल्ला मंडी व्यापार मंडल द्वारा महामंत्री कृपा शंकर त्रिवेदी के नेतृत्व में मंडी समिति के अंदर व्यापारिक समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मंडी सचिव विजय बालियान को दिया गया। मंडी समिति द्वारा व्यापारियों के किराए पर हर वर्ष 5त्न की बढ़ोतरी से किराया लिया जाता है। मंडी परिसर के अंदर बनी दुकानों में बने शौचालय पर पानी की टंकियां हैं, लाइन है, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है। मंडी परिषद में दुकानों के पीछे दरवाजे टूटे पड़े हैं जिनके कारण कभी भी चोरी हो सकती है। दुकानों में सफाई की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है जिससे आने वाली बरसात में पानी भरने की संभावना है।जिसके कारण व्यापारियों का नुकसान हो सकता है। व्यापारियों ने मंडी परिषद के अंदर एक फायर बिग्रेड गाड़ी की भी मांग की है तथा बार क्लास की दुकानों के किराए के संबंध में पूर्व में दिए गए ज्ञापनों के आधार पर मंडी सचिव द्वारा यह बताया गया कि एक कमेटी बना दी गई है। जो जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रेषित करेगी जिस पर कुछ समस्याओं पर तत्काल हाल हो गया और कुछ समस्याएं प्रदेश स्तर की थी।जिस पर मंडी सचिव द्वारा ज्ञापन को आगे मुख्यलय भेजकर समस्याओं का हल कराया जाएगा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से रामेश्वर गुप्ता, लाला भैया, कृपाशंकर त्रिवेदी, विजय मिश्रा, ठाकुर ज्ञान सिंह, रजत गुप्ता, राजन गुप्ता, मीनू गुप्ता, महेश गुप्ता, भारत साहू, राहुल गुप्ता, आशु गुप्ता, मनोज द्विवेदी, देवेंद्र गुप्ता, शिवम गुप्ता आदि थे।

भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी ने सात युवकों को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित वॉकी टॉकी मिलने से शक गहराया

लखनऊ। भारत नेपाल सीमा रुपईडीहा से एसएसबी ने सात युवकों को प्रतिबंधित वॉकी टॉकी के साथ गिरफ्तार किया है।संदिग्धों के पाकिस्तानी फंडिंग से संचालित इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल से तार जुड़े होने की चर्चा है।

भारत-नेपाल सीमा पर तलाशी के दौरान शुक्रवार की सुबह लगभग नौ बजे एसएसबी ने सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया। संदिग्धों युवकों के पास से संदिग्ध फ्रिक्केंशी पर सेट वॉकी-टॉकी (आरटी सेट) बरामद होने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची सुरक्षा एजेंसियां संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। एसएसबी ने पूछताछ के बाद सभी पर रुपईडीहा थाने में केस दर्ज करवाकर उन्हें पुलिस को सौंप दिया है। स्थानीय लोगों में संदिग्धों के पाकिस्तानी फंडिंग से संचालित इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल से तार जुड़े होने की चर्चा है।एसएसबी 42 वीं वाहिनी के सहायक उपनिरीक्षक योगेश कुमार द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर में बताया गया कि शुक्रवार की सुबह टीम के साथ भारत-नेपाल सीमा पर आने-जाने वालों की जांच की जा रही थी। इस दौरान नेपाल से एक चार पहिया वाहन ने सीमा पार किया। वाहन में मौजूद लोगों के पास प्रतिबंधित फ्रिक्केंशी के वॉकी-टॉकी बरामद हुए। जिसके बाद सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पकड़े लए लोगों की पहचान महराष्ट्र के काकड़े बस्ती पुणे निवासी बिला अब्दुल रहमान शेख, कांधुवा खुर्द पुणे निवासी मुनीर युसूफ शेख, साईंनाथ नगर निवासी तेमेश्यवर भोंदवे, बुरूकू पुणे निवासी मोहम्मद मुस्लिम, उत्तरप्रदेश के बिजनौर निवासी अचलेश कुमार, कुशीनकर के चट्टू कटिया निवासी शंकर पांडेय व बहराइच के रसूलपुर दरहट सराय निवासी छांगुर के रूप में हुई है। पूछताछ में सभी ने कैटरिंग कार्य के लिए नेपाल जाने की बात कही है।संदिग्धों के पास से बरामद हुए वॉकी-टॉकी को जब्त कर सभी के खिलाफ दूरसंचार अधिनियम, भारतीय तार अधिनियम व भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज करवाकर पुलिस को सौंप दिया गया है। गिरफ्तारी में एसएसबी के मुख्य सिपाही अमरनाथ यादव, अरविंद कुमार, ओमप्रकाश आदि शामिल रहे।

इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल से तार जुड़ने की चर्चा

भारत-नेपाल सीमा पर प्रतिबंधित व संदिग्ध फ्रिक्केंशी के वॉकी-टॉकी के साथ सात संदिग्धों के पकड़े जाने के बाद से स्थानीय लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोगों में चर्चा है कि सभी पाकिस्तान के फंड से फल फूल रहे इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल के किसी व्यक्ति से मिलने गए थे।

1 जुलाई, डॉक्टर्स डे पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में प्रेसवार्ता का किया आयोजन

बीपीएस न्यूज

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, कानपुर के कान्फ्रेंस हॉल में 1 जुलाई, डॉक्टर्स डे पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया है जिसमे आई म.ए. कानपुर की अध्यक्षता डॉ. नंदनी रस्तोगी, आई.एम.ए. कानपुर के सचिव, डॉ. विकास मिश्रा, समन्वयक आयोजक व पूर्व अध्यक्ष,डॉ. शिवा कांत मिश्रा, डॉ. नीलम मिश्रा एवं डॉ. बृजेन्द्र शुक्ला, तथा तिरंगा अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक नरेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।आई.एम.ए. कानपुर की अध्यक्ष, डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने बताया की, डॉक्टर्स डे प्रति वर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है।

डॉ. बिधान चंद्र राय का जन्म व उनका निधन भी 1 जुलाई को ही हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से 1 जुलाई 1991 को डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी जो प्रतिवर्ष मनाया जाता है।आई.एम.ए. कानपुर के सचिव, डॉ विकास मिश्रा ने बताया कि, डॉक्टर्स डे केवल चिकित्सकों के सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि समाज के प्रति चिकित्सा समुदाय की जिम्मेदारी को पुन: स्मरण करने और उसे निभाने का संकल्प लेने का अवसर भी है। साथ ही बताया कि रात्रि 8 बजे से संस्था के सभागार में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा,

जिसमें आचार्य योगेश जी महाराज श्रीमद भागवत कथा एवं श्री राम कथा के सरस वक्ता अयोध्या धाम के द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। यह संध्या आत्मिक शांति और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने हेतु एक विशिष्ट अवसर होगी।

कार्यक्रम की सहयोगी संस्था रामकुटी फाउंडेशन के प्रमुख व आई. एम. ए. कानपुर पूर्व अध्यक्ष डॉ. शिवा कांत मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष लाखों यूनिट ब्लड की आवश्यकता होती है और यदि समय पर किसी भी मरीज को रक्त न मिले तो उस व्यक्ति की जान जा सकती है।

भारतवर्ष में प्रतिवर्ष 5 करोड़ यूनिट रक्त कि आवस्यकता पड़ती है लेकिन सिर्फ 2.5 करोड़ यूनिट्स ही मिल पाती हैं।हमें प्रति 2 सेकंड में एक रक्त कि आवश्यकता होती है और हर दिन 38000 यूनिट की। एक मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया है

जिस को रामकुटी फाउंडेशन व तिरंगा अगरबत्ती ग्रुप द्वारा प्रायोजित किया जा रहा है इसमें विभिन्न वर्गों के लोग ब्लड डोनेशन के बारे में न सिर्फ़ जागरूक होंगे बल्कि काफ़ी लोग काफ़ी भारी मात्रा में रक्तदान कर के अपने और समाज के दायित्व को भी पूरा करेंगे।

दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर व्यापारी कल्याण दिवस 2025 का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी साइट-5 स्थित आई.आई.ए. भवन के सभागार में दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर व्यापारी कल्याण दिवस2025 का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने की। इस अवसर पर विधायक नीलिमा कटियार, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, केस्को के प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन. तथा राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-1 आर.एस. विद्यार्थी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में लखनऊ स्थित लोक भवन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने रुचिपूर्वक देखा और सुना। मुख्यमंत्री द्वारा दानवीर भामाशाह के त्याग और राष्ट्रसेवा को प्रेरणास्रोत बताते हुए व्यापारिक समुदाय की भूमिका की सराहना की गई।

राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि भामाशाह के जीवन में राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम था।उन्होंने राष्ट्रहित में अपना सर्वस्व दान कर दिया, जो आज भी एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने करदाता व्यापारियों की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों की सुरक्षा हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि भामाशाह का जीवन हमारी सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली अध्याय है, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक ने भी व्यापारिक समुदाय की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार बताया।इस अवसर पर जनपद कानपुर नगर के पाँच सर्वोच्च करदाताओं को सम्मानित किया गया। इनमें टोरेंट, अपोलो टायर्स लिमिटेड, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (अमूल), कैस्ट्रोल इंडिया लिमिटेड तथा जे.के. टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड शामिल रहे। इन प्रतिष्ठानों को शासन द्वारा उनके उत्कृष्ट कर योगदान हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत तीन लाभार्थियों को चेक प्रदान किए गए। लाभ प्राप्त करने वालों में आराधना दीक्षित (योगेश कुमार दीक्षित फर्म), अनामिका गुप्ता (साईनाथ ट्रेडर्स) और रानी तिवारी (रानी ल्यूब्रिकेंट्स फर्म) शामिल रहीं। यह पहल व्यापारी समुदाय के सामाजिक और आर्थिक संरक्षण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, उद्योग प्रतिनिधि, राज्य कर विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, संजय सेठ बोले- कांग्रेस ने राष्ट्रीय अखंडता को चोट पहुंचाई

कानपुर। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रीय अखंडता को चोट पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनी।कानपुर में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भाजपा दक्षिण जिले के सभी 1162 बूथों पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रविवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह व पार्टी पदाधिकारियों के साथ पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 123वें संस्करण को छावनी विधानसभा के रक्षा विहार शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 246 में सुना। रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश, एक प्रधान, एक विधान, एक निशान के मुद्दे और भारत की अखंडता को लेकर अपना बलिदान दिया था।

देश में 1947 मेंआजादी मिलने और 1950 ने संविधान लागू होने के तत्काल बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के संविधान में धारा 370 जोड़कर राष्ट्रीय अखंडता को गंभीर चोट पहुंचाने का कुत्सित प्रयास किया।

डॉ. मुखर्जी उस समय उद्योग व खाद्य मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे थे, लेकिन सरकार की मंशा को ध्यान में रखकर उन्होंने पद छोड़ दिया और देश की प्रतिष्ठा व अखंडता के लिए कश्मीर में धारा 370 हटाने के लिए व्यापक आंदोलन प्रारंभ किया।डॉ. मुखर्जी के कामों को भुलाया नहीं जा सकताजिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने डॉ. मुखर्जी को भारत माता का महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और अखंड भारत का सपना देखने वाला बताया।

मनोज तिवारी बोले- ऑपरेशन सिंदूर क्रिकेट कप मैच नहीं बल्कि सेना के सम्मान में ऐतिहासिक पहल

बीपीएस न्यूज

कानपुर । ग्रीनपार्क में वार्ता के दौरान दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर क्रिकेट कप मैच नहीं बल्कि सेना के सम्मान में ऐतिहासिक पहल है।उन्होंने शुभम के परिजनों को सम्मानित किया।

यह सिर्फ मैच नहीं बल्कि सेना के सम्मान में ऐतिहासिक पहल है, इसीलिए इसका नाम ऑपरेशन सिंदूर कप रखा गया है। यह पूरे देश के लिए एक उदाहरण है, क्योंकि खेल ही पूरे देश और समाज को जोड़ने का काम करता है।यह बातें रविवार को ग्रीनपार्क स्टेडियम में मैच खेलने आए दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने बातचीत के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि संयोग की बात है कि आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले शुभम की पत्नी और पूरे परिवार से मिलने और उन्हें सम्मानित करने का मौका मिला।ऑपरेशन सिंदूर को भूलना नहीं चाहिए। यह आतंकवादियों और देश के दुश्मनों को वर्तमान और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पैगाम है। भारतीय सेना का शौर्य हमेशा ऊंचा रहेगा।

हम यहां मैच खेलने आए हैं, क्योंकि सेना के शौर्य को नमन करने के लिए सांसद रमेश अवस्थी ने यह आयोजन किया है।सेना को सलामी देने के लिए पूरे देश से सांसद, विधायक, मंत्री के अलावा इतनी बढ़ी संख्या में कानपुर के दर्शक भी आए हैं, मैं सभी को प्रणाम करता हूं।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता
(विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

खाद्य विभाग टीम ने गोविन्द नगर स्थित मुन्ना समोसा में मारा छापा, मिली गंदगी, भरा सैम्पल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोबाईल पर मिली शिकायत के क्रम में संजय प्रताप सिंह सहायक आयुक्त (खाद्य)।। के निर्देशानुसार खाद्य सचल दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सिंह, आशुतोष कुमार सिंह एवं अजीत कुमार सिंह द्वारा गोविन्द नगर स्थित मुन्ना समोसा का निरिक्षण प्रतिष्ठान के मालिक रामबाबू गुप्ता की उपस्थिति में किया गया।

निरिक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के विनिर्माणशाला में साफ सफाई का अभाव पाया गया एवं प्रतिष्ठान में निष्योंप्रज्य सामग्री रखा पाया जिसके क्रम में प्रतिष्ठान मालिक को परिषर की साफ सफाई होने तक प्रतिष्ठान को बंद करने का निर्देश दिया। मौके पर भण्डारित खाद्य समोसा, छोले, समोसे को फ्राई करने में प्रयुक्त खाद्य तेल, मैदा एवं बेसन का नमूना संदेह के आधार पर जाँच हेतु कुल 8 नमूना संग्रहित कर जाँच के लिए लैब भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी ।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 **रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित।** आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।